डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 19 | अंक 52 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | बुधवार 04 दिसम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

मप्र शासन के राजस्व अधिकारी ही लगा रहे हैं सरकार को राजस्व का चूना

बिना टैक्सी परमिट वाहनों का सरकारी विभागों मे धड़ल्ले से हो रहा संचालन

मनासा, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश सरकार कर्ज के गर्त मे लगातार डूबती जा रही है। सरकार पर करोड़ो का कर्ज है। ओर आए दिन सरकार कर्ज ले रही है। क्योंकि, इतने राजस्व की पूर्ति नहीं कर पा रही है। ऐसे समय मे मनासा अनुविभाग के राजस्व अधिकारी भी सरकार को राजस्व का चूना लगाने मे कोई कसर नहीं छोड़ रहे है।

मनासा के एसडीएम पवन बारिया, मनासा तहसीलदार बीके मकवाना, कुकडेश्वर तहसीलदार, रामपुरा तहसीलदार बिना टैक्सी परमिट बोलेरो वाहनों का उपयोग कर रहे है। जिससे राजस्व का नुकसान हो रहा है। दूसरी ओर वाहन मालिकों को फायदा हो रहा है। ये गाड़िया व्यक्तिगत लोगो द्वारा किराये पर लगाई गई है, जिन्हें शासन द्वारा मासिक किराये का भुगतान किया जाता है। ज़ब वाहनो का उपयोग टैक्सी के रूप मे हो रहा है तो टैक्सी परमिट भी होना चाहिए। फिर भी राजस्व के आला अधिकारी नियमों को ताक मे रखकर काम कर रहे है। इस मामले को लेकर कलेक्टर नीमच को अवगत कराया तो उन्होंने कहा कि मैं इस मामले को दिखवाता हूं।

करोड़ों के खेल मैदान तोड़ रहे दम..!

कैसे उभरें ग्रामीण प्रतिभाएं...

पंचायत स्तर पर खेल मैदान बनाए गए, ताकि ग्रामीण प्रतिभाएं सामने आए। लेकिन, कई जगह खेल मैदानों पर प्रतियोगिताएं ही नहीं करवाई गई। ऐसे में कैसे खेल मैदान बचेंगे। यह बड़ा सवाल है। पंचायत से जुड़े कई जनप्रतिनिधियों को तो इसकी जानकारी ही नहीं है कि मैदान कहां पर है और कब बने।

रख-रखाव का अभाव, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान..!

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले में करोड़ो रूपए की लागत से बने 100 से ज्यादा मैदान दम तोड़ रहे हैं। मामला गांव में तैयार किए गए खेल मैदानों से जुड़ा है। गांव की खेल प्रतिभाओं को खेलने के लिए आसानी से मैदान उपलब्ध हो जाए और खेल प्रतिभाएं आगे आए। इस उद्देश्य से हर पंचायत में खेल मैदान बनाए गए है। लेकिन, जो खेल मैदान पहले बनाए गए थे। उनका सही रखरखाव नहीं किया गया। जिसके चलते करीब 100 से अधिक खेल मैदान खेलने लायक नहीं बचे है। पुराने खेल मैदानों के मेंटेनेंस को लेकर अब तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया गया है। अब तक जनप्रतिनिधियों से लेकर संबंधित विभाग के जिम्मेदारों ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है। जिसके चलते यह हाल हो रहे हैं।

समय-समय पर हो मेन्टेनेन्स तो नहीं बिगड़े हालात...

जिला पंचायत से मिली जानकारी अनुसार करीब 100 खेल मैदान मेंटेनेंस के अभाव में बेकार हो रहे है। इनके बेकार होने का कारण यह है कि इन पर समय पर प्रतियोगिताएं करवाई गई। जिससे रखरखाव नहीं हुआ है। जहां-जहां खेल मैदान उपयोग में है, वहां पर खेल मैदान सही है। ऐसे मे प्रत्येक खेल मैदान पर ग्राम पंचायत द्वारा या स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा समय-समय पर प्रतियोगिताएं करवाना चाहिए। जिला पंचायत से मिली जानकारी के अनुसार मनेरगा में खेल मैदानों के रखरखाव या दुरुस्त करने के लिए मद नहीं आता है। ऐसे में इनके मेंटेनेंस करना भी कठिन है। खेल मैदानों का रखरखाव जनभागीदारी से भी किया जा सकता है।

जिले में 468 ग्राम पंचायत है। इनमें 923 गांव है। इनमें अब तक 437 खेल मैदान बनकर तैयार हो गए हैं। खेल मैदान वर्ष 2008 से पंचायतों में बनाए गए है। इसके लिए जगह के अनुसार ही मैदान की लागत आती है। सबसे कम खेल मैदान की लागत दो लाख 56 हजार रूपए है। वहीं अधिक से अधिक लागत 4 लाख रूपए तक की आती है। जिले में 437 खेल मैदान बनाने में करोड़ो रूपए लगाए गए है। लेकिन, इनके मेन्टेनेंस पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

महिला को पीटा, भतीजों सहित 3 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। खेत की सिंचाई को लेकर विवाद में महिला के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों पर केस दर्ज किया। खजूरी माण्डा निवासी कैलाशबाई पति आशाराम धनगर ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि खेत सिंचाई के लिए कुए पर मोटर डालने गए तो भतीजे प्रहलाद व पंकेश ने मना कर दिया, मेरे पति आशराम से भी गाली-गलौज की व लकडी व पत्थर से मारा, जिससे चोंटे आई। मैं बीच-बचाव करने गई भागवंतीबाई ने दोनों बेटों के साथ मेरे साथ मारपीट की, जिससे हाथ, सिर, सीने व गाल पर चोंटे आई। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

पति सहित 3 पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। युवती ने पति, ननद व ननदोई पर केस दर्ज कराया। बालागुढा (पिपलियामंडी) निवासी उषाबाई ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि पति से कहासुनी हो जाने पर पति बालागुढा निवासी संतोष, ननदोई बालकृष्ण व ननद आशाबाई मुझे मल्हारगढ पिता के यहां छोड़ने आए थे। मेरे पिता व भाई ने झगड़े का कारण पूछा तो गाली-गलौज की व जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तीनों पर केस दर्ज किया।

युवती को पीटा

पिपलियामंडी, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। युवती के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया। निरधारी निवासी रुबीबाई पति सोनू ने नाहरगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरी जेठानी के बेटे अंकित पिता महेश ने कहा कि तूने मेरे खिलाफ शिकायत क्यों कि और गाली-गलौज कर मारपीट की व लकड़ी से मेरी खिड़की के कांच तोड़कर नुकसान किया। पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज किया।

नगर पालिका ऑन लाईन किए जाने का मामला...

सात साल बाद भी पोर्टल को नहीं समझ पा रहे लोग, नपाकर्मी भी नहीं करते सहयोग

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला मुख्यालय की नगर पालिका 7 साल पहले ही ऑनलाइन हो गई थी। लेकिन, अब तक लोगों को ई-नगरपालिका पोर्टल से नहीं जोड़ पाई है। यह भी कहा जा सकता है कि सात साल बाद भी लोग पोर्टल को नहीं समझ पा रहे है। इसके पीछे एक कारण नपाकर्मियो द्वारा सहयोग नहीं किया जाना भी है। यही कारण है कि आमजन पोर्टल से सीधे नहीं जुड़ पा रहा है।

जिसके चलते अब भी लोग टैक्स भरने से लेकर हर काम के लिए नगरपालिका के ही चक्कर लगा रहे हैं। नपा ने उपभोक्ताओं को ऑनलाइन सुविधा का लाभ देने के लिए आईडी तो अलॉट कर दी। लेकिन, जागरूकता व पर्याप्त प्रचार नहीं करने के कारण लोग नहीं जुड़ पा रहे हैं। एक कारण भुगतान प्रोसेस को यूपीआई मोड पर नहीं ले जाना भी है। ऐसे में ई-नपा बनाए जाने का उद्देश्य भी पूरा नहीं हो रहा है। नगरपालिका थोड़ा सा फोकस करे और अन्य एप्लीकेशन की तरह ई-नपा के उपयोग के लिए कार्यशाला व मॉड्यूल संबंधी प्रचार-प्रसार करें तो लोग ऑनलाइन जुड़ने लगेंगे।

बता दें कि प्रमाण-पत्र, नामांतरण, अकाउंट सहित अन्य काम तो ऑनलाइन हो गई थे। इसके बाद टैक्स डिपार्टमेंट को लेकर दिक्कत आ रही थी। अब जब सबकुछ ऑनलाइन हो गया है तो लोग उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। उपभोक्ता एप से टैक्स व बिलों का भुगतान ऑनलाइन ही करते हैं। लेकिन, ई-नपा के माध्यम से जलकर व संपत्तिकर का भुगतान करने से कतराते हैं। चूंकि उन्हें डर रहता है कि कहीं भुगतान अटक नहीं जाए या फिर कोई दिक्कत ना आ जाए, ऐसे में लोग अब भी ऑनलाइन मोड पर शिफ्ट होने के बजाय नपा के चक्कर काट रहे हैं। सुविधाओं के मामले में एप सबसे बेहतर विकल्प है। जबकि, शिकायतों से लेकर ई-नपा से जुड़े मॉड्यूल की सुविधा ऑनलाइन है। ऑनलाइन की तरफ नपा का रुझान नहीं होने से ये सुविधा अभी पिछड़ी हुई है।

आमजन व नपा, दोनो को है लाभ...

नपा की सेवाओं को ऑनलाइन मोड पर जाने से उपभोक्ताओं और नपा दोनों को लाभ होगा। उपभोक्ता घर बैठे हर सुविधा के लिए आवेदन और भुगतान संबंधी प्रोसेस कर सकेंगा। वहीं नपा को भी डिजिटल भुगतान होगा तो बकायादारों की संख्या कम होगी और रेवेन्यू में भी फायदा पहुंचेगा।

यह सेवाएं मिलनी चाहिए ऑनलाइन...

नगर पालिका द्वारा जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र, संपत्ति कर, नल कनेक्शन व बिल भुगतान, लाइसेंस, यूजर्स चार्जेस, सर्विस चार्ज, राशन कार्ड, विवाह प्रमाण-पत्र, पानी के टैंकर, पार्किंग, स्लॉटर हाउस जैसे शुल्क, वेलफेयर स्कीम, लीज रेंट, यूएलपी होम पेज, ऑनलाइन एक्सेस एप्लीकेशन, नामांतरण, फायर एनओसी सर्टिफिकेट, सीवरेज कनेक्शन, ट्रेड लाइसेंस, रेवेन्यू एप्लीकेशन, शव वाहन, रोड कटिंग एप्लीकेशन, होर्डिंग लाइसेंस, भवन निर्माण, संपत्ति कर, जलकर जमा करना, रेंटल फीस भुगतान, मैरिज गार्डन लाइसेंस आदि के कार्य ऑनलाईन किये जाना शामिल हैं। इसके लिए पोर्टल भी है, किन्तु, कई लोग स्वयं नहीं समझ पाते है और नगर पालिका जाते है तो वहां भी उन्हें कर्मचारियो का सहयोग नहीं मिलता है।

बाबु की पेन ड्राईव गुम, खंगाल रहे सीसीटीवी...

नगर पालिका में बाबु श्री श्याम धनोतिया की पेन ड्राईव कहीं गुम हो गई। जिसे तलाशने के लिए नपा में लगे सीसीटीवी खंगाले जा रहे थे। बता दें कि इस पेन ड्राईव में नपा की लोक निर्माण शाखा की कई महत्वपूर्ण फाईले है। यदि पेन ड्राईव नहीं मिलती है या जिसे मिलती है, उसके द्वारा दुरुपयोग किए जाने पर नपा को बड़ी हानि हो सकती है।

बालक खेलता था मोबाइल पर गेम...

पिता ने दो दिन से रिचार्ज नही कराया तो कर ली आत्महत्या

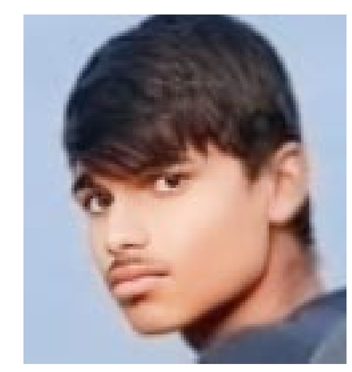

पिपलियामंडी, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। गांव सेमली में एक 16 वर्षीय बालक ने स्वयं के घर में रस्सी का फन्दा बनाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण मोबाइल में रिचार्ज खत्म होने के बाद पिता द्वारा रिचार्ज नही करवाना सामने आया है, बालक मोबाइल में गेम खेलता था, दो दिन पूर्व मोबाइल का रिचार्ज खत्म होगया था, इससे वह परेशान था, हालांकि पुलिस जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार मंगलवार को प्रात: 11.30 बजे करीब 12 कक्षा में अध्यनरत 16 वर्षीय बालक सौरभ पिता मुकेश मीणा का शव स्वयं के घर में रस्सी के फंदे पर लटका मिला। बालक घर पर अकेला था, दरवाजे की सांकल अंदर से लगी हुई थी। गैस सिलेण्डर की डिलीवरी देने आए युवक ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन आवाज नही आई तो उसने सिलेण्डर डिलीवरी के लिए मुकेश मीणा को कॉल किया। मुकेश ने बेटे सौरभ के घर पर होने की बात कही सौरभ को मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन कॉल रिसिव नही किया तो उसने पड़ोसी को घर पर भेजा। पड़ोसी गया तो दरवाजा अंदर से लगा था। खिड़की से देखा तो सौरभ फन्दे पर लटका हुआ था। सूचना पर पुलिस मौके पहुंची, शव नीचे उतरवाया। पीएम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार सौरभ इकलौता था, वह कक्षा में 12 वीं अध्यनरत था, सौरभ द्वारा आत्महत्या करने से माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया गया वह मोबाइल पर आनॅलाइन गेम खेलता था, दो दिन पूर्व मोबाइल रिचार्ज खत्म हो गया था, इससे वह परेशान था। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का कारण मोबाइल में रिचार्ज खत्म होना सामने आया है। दो दिन पूर्व मोबाइल में रिचार्ज खत्म होने पर सौरभ रिचार्ज कराने की जिद कर रहा था, जिसे परिजनों ने उसे डांटा भी था। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बांग्लादेश की हिंसक घटनाओं के विरोध में आज ज्ञापन देगा सकल हिंदू समाज...

दोपहर तक बाजार बंद रखकर विरोध प्रदर्शन को समर्थन देगे व्यापारी संगठन

महाराणा प्रताप चौराहे पर होगा एकत्रीकरण, बीपीएल चौराहा, गांधी चौराहा, वंदे मातरम तिराहा होते हुए कोतवाली पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम दिया जाएगा ज्ञापन

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। आज बुधवार 4 दिसंबर को सकल हिंदू समाज के आव्हान पर बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर की जा रही अत्याचार की घटनाओं के विरोध में महाराणा प्रताप बस स्टैंड पर दोपहर 1 बजे प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा। सकल हिंदू समाज के आह्वान पर मंदसौर के सभी व्यापारी संगठनों ने निर्णय लिया है कि ज्ञापन दिए जाने तक मंदसौर बंद रखकर विरोध प्रदर्शन को समर्थन प्रदान किया जाएगा।

आज बुधवार को होने वाले प्रदर्शन को लेकर समस्त व्यापारी संगठनों की एक बैठक आयोजित हुई। बैठक में बांग्लादेश में हिन्दू समाज के विरूद्ध घट रही घटनाओं के विरोध में आक्रोश व्यक्त करते हुए सदस्यों ने भारत सरकार से मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्राप्त कर बांग्लादेश सरकार के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही कर हिन्दू समाज के साथ बांग्लादेश में जो हो रहा है, उसे अविलम्ब हर हालत में रोका जाकर उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। आज 4 दिसम्बर को सर्व हिन्दू समाज की रैली को पूर्ण समर्थन देते हुए क्लाथ मर्चेन्टस एसोसिएशन, किराना मर्चेन्टस एसोसिएशन, इलेक्ट्रिक व्यापारी एसोसिएशन सहित अन्य सभी व्यापारी संगठनों ने बुधवार को ज्ञापन दिए जाने तक अपने संस्थान बंद रखने का निर्णय लिया है। संगठनों की ओर से सभी व्यापारी भाइयों से आह्वान किया गया कि 4 दिसंबर 2024 सम्पूर्ण रूप से बंद रख व्यापारी एकता एवं सर्व हिन्दू समुदाय को संगठित करने के प्रयास में सहयोग प्रदान करें।

विरोध प्रदर्शन हेतु आज दोप. 1 बजे एकत्रीकरण महाराणा प्रताप चौराहा स्थित अभिव्यक्ति स्थल पर होगा। यहां से बीपीएल चौराहा, गांधी चौराहा, बस स्टैंड, वंदे मातरम तिराहा होते हुए शहर कोतवाली पहुंचकर महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जायेगा। नगर के समस्त नागरिकों, हिन्दू समाज जन से विरोध प्रदर्शन में सहभागी होने की अपील सकल हिंदू समाज की ओर से की गई है।

सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते पकड़ा

पिपलियामंडी, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते लोगों पर केस दर्ज किया। मल्हारगढ़ पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर शराब पीते हुए पिपलिया सोलंकी निवासी मांगीलाल पिता भूरालाल व अमरपुरा निवासी .... शेष पेज 4 पर

खड़गे जी हंटर चलाओ राहुल आपके साथ है...

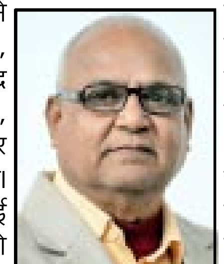

चन्द्रमोहन भगत

मंदसौर/उज्जैन, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में अपने भाषण में जो सुधारवादी बाते बताते हुए संगठन की कमियों को सुधारने के लिए कहा था, उसके लिए राहुल गांधी ने खुली छूट देते हुए कहा कि संगठन सुधारने के लिए हंटर चलाना पड़े तो वह भी चलाओ। खड़गे को पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के इस तरह के समर्थन और प्रोत्साहन से सभी हतप्रभ हैं। क्योंकि, खड़गे जिस पर भी कार्रवाई करेंगे, वह पूर्व अध्यक्षों के करीबी ही निकलेंगे। वर्तमान में जिस तरह का देश में राजनीतिक वातावरण बना हुआ है उसमें खड़गे हंटर चला पाएंगे ? जब बगैर हंटर चलाए ही कांग्रेस के अनेक प्रादेशिक और राष्ट्रीय छत्रप नेताओं ने कांग्रेस से किनारा कर लिया है। तब बाकी तो खड़गे के हंटर चलाने से पहले खुद ही निकल जाएंगे, बचेगा कौन ! कांग्रेस की केंद्र और राज्यों में सरकारे होती, तब जरूर पदाधिकारी हंटर खाकर भी पार्टी में बने रहते। जब कांग्रेस पार्टी में मलाई बची ही नहीं तो चखने को लालायित कोई नहीं होगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री चयन के कारण कांग्रेस कार्य समिति की बैठक की खबर को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में ज्यादा स्थान नहीं मिल पाया। किन्तु, खड़गे को राहुल के दिए सुझाव ने जरूर सोशल मीडिया में स्थान पा लिया है। कांग्रेस के पक्षकार यूट्यूबर पत्रकारों ने ही इसे हाथों-हाथ लिया और यही सार्वजनिक किया कि कांग्रेस का कुछ हो नहीं सकता है। जो काम खुद राहुल को करना था, नहीं कर पाए और अब खडगे जी को हंटर चलाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। कह रहे है कि पार्टी विरोधी गतिविधियां करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

लंबे समय खुद राहुल अध्यक्ष रहे है। इसलिए किस-किस को हंटर मारे जाएं, वही बताएं और यह भी बताएं कि यह सुधार फार्मूला उन्होंने अपने कार्यकाल में या सोनिया गांधी के कार्यकाल में क्यों नहीं अपनाया था ! आज कांग्रेस आर्थिक संकट के दौर से भी गुजर रही है। लेकिन, नेता, पदाधिकारी जो वर्षों से जमे हैं बहुत अमीर हो गए हैं। अगर कांग्रेस हाई कमान ने इनसे पार्टी के लिए समर्पण भी मांगा तो यह खुद कांग्रेस से रवानगी डाल देंगे। तो अंदाज लगाइए ऐसे पदाधिकारी हंटर की आवाज भी सुनने से पहले ही कांग्रेस को त्याग देंगे। यह भी तय है कि खडगे और राहुल के हंटर वाली कार्रवाई के परिसीमन में आने वाले सभी पदाधिकारी जानते हैं कि जब सोनिया, राहुल गांधी उनकी हरकतों पर अंकुश नहीं लगा पाए तो खडगे क्या लगा पाएंगे।

कल्पना कीजिए जिन कांग्रेस के बल्लम छत्रप सुरेश पचौरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, अशोक चौहान, मिलिंद देवड़ा, अशोक तंवर, गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल आदि अनेक नाम है जिन्होंने कांग्रेस संगठन का जरा सा भी सांगठनिक अंकुश बर्दाश्त करने की बजाय पार्टी छोड़ दी। तब बाकी बचे अनुशासन का अंकुश सह पाएंगे क्या, हंटर तो दूर की बात है। यह अलग बात है कि मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल, सोनिया, प्रियंका गांधी सहित सभी कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं ने अगर कांग्रेस को फिर से जीरो से जमीन पर अंकुरित कर समर्पितों का मजबूत संगठन बनाना तय कर लिया है तो एक बार संगठन को खाली कर गंगाजल से धोकर फिर से ऊर्जावान कार्यकर्ताओं का समूह बनाया जा सकता है।

पुलिस वाहन से दुर्घटना- मंदसौर शहर के यातायात थाना पुलिस का इंटर सेप्टर वाहन किसी कार्य से पुलिस कप्तान के कार्यालय के लिए टर्न ले ही रहा था कि एक बाइक सवार उसकी चपेट में आ गया। जिससे दोनों वाहनों में नुकसान हुआ। जबकि, बाईक चालक चोटिल हो गया।

विचार-मंथन

वायु प्रदूषण भारत में बड़ी समस्या

पछले एक दशक में, खासकर स्टील उत्पादन, सीमेंट निर्माण और कोयला खनन जैसे क्षेत्रों में चीन ने भारी प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों को बंद करने या अपग्रेड करने के लिए कठोर कदम उठाए है। कुछ मामलों में, उच्च प्रदूषण स्तर वाले क्षेत्रों में कारखानों को ऐसे क्षेत्रों में स्थानांतरित किया गया है जहां पर्यावरणीय प्रभाव को बेहतर तरीके से प्रबंधित किया जा सकता है। चीन ने अत्यधिक प्रदूषण के दौरान उच्च उत्सर्जन वाले उद्योगों को अस्थायी रूप से बंद करने का साहसिक कदम भी उठाया है, जो अल्पकालिक वायु गुणवत्ता संकट को कम करने में मदद करता है।

वायु प्रदूषण भारत ही नहीं पूरे विश्व के लिए एक चिंता का विषय है। हाल ही में देश का उत्तरी राजधानी क्षेत्र हवा की अत्यधिक खराब गुणवत्ता के कारण चर्चा में रहा। जिसके कारण लोगों में आक्रोश फैल गया और सरकार से और अधिक कठोर कार्रवाई की मांग की गई। अपना पड़ोसी देश चीन भी अतीत में इसी तरह की परिस्थितियों से गुजर चुका है। हालांकि, उसने अपने प्रयासों से स्थिति को बदला है और आज वह अपने कुछ प्रमुख शहरों, जहां पहले हवा की गुणवत्ता का स्तर खतरनाक था, स्वच्छ हवा वाले शहरों के रूप में स्थापित करने का गौरव प्राप्त कर रहा है। भारत निश्चित रूप से स्मॉग और वायु प्रदूषण के व्यापक मुद्दे के खिलाफ अपनी चल रही लड़ाई में चीन से कुछ सबक सीख सकता है। हालांकि, चीन के तरीकों को दोहराने के किसी भी प्रयास को भारत की अनूठी चुनौतियों और परिस्थितियों के अनुसार बारीकी से समायोजित करने की आवश्यकता होगी। दोनों देश लंबे समय से गंभीर वायु गुणवत्ता के मुद्दों से जूझ रहे हैं, फिर भी चीन ने हाल के वर्षों में प्रदूषण को कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। एक महत्वपूर्ण क्षेत्र जहां भारत चीन के दृष्टिकोण से लाभ उठा सकता है, वह है कड़े वायु गुणवत्ता नियमों का कार्यान्वयन और उनका मजबूती से पालन। चीन ने हाल के वर्षों में वायु गुणवत्ता के लिए और अधिक कठोर मानक पेश किए हैं, जिनका पालन न करने पर कठोर दंड भी लगाया गया है। कुछ मामलों में, स्थानीय सरकारों को विशिष्ट प्रदूषण कम करने के लक्ष्यों को पूरा करने में विफल रहने के लिए उत्तरदायी ठहराया जाता है। इस दंडात्मक दृष्टिकोण ने जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा दिया है, उद्योगों को पर्यावरण प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए मजबूर किया है और शहरों को अपनी वायु गुणवत्ता मानकों में सुधार करने के लिए प्रेरित किया है। इसके विपरीत, भारत कमजोर प्रवर्तन तंत्रों से ग्रस्त है जो प्रदूषणकारी उद्योगों को जवाबदेह ठहराने में विफल रहते हैं, और पर्यावरण कानून प्रवर्तन का अधिकांश हिस्सा या तो अपूर्ण है या अप्रभावी है। इसी तरह की रणनीति को अपनाना, जहां विनियामक ढांचे न केवल मजबूत है बल्कि सख्ती से लागू भी किए जाते है, भारतीय शहरों में औद्योगिक उत्सर्जन को बहुत कम कर सकते है। भारत को वायु गुणवत्ता मानकों को लागू करने, नियमों का उल्लंघन करने वालों को दंडित करने और स्थानीय और राष्ट्रीय अधिकारियों के लिए जवाबदेही का माहौल बनाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। दूसरा सबक, चीन की रिन्यूएबल एनर्जी और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों की ओर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया हुआ है। चीनी सरकार ने स्वच्छ ऊर्जा, विशेष रूप से वायु और सौर ऊर्जा में भारी निवेश किया है। उसने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) उनकी शहरी नियोजन पहलों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गए हैं। इसका परिणाम ऊर्जा उत्पादन और परिवहन से होने वाले उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी रहा है, जो वायु प्रदूषण के दो प्रमुख स्रोत हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए चीन की प्रतिबद्धता कि उसके शहर ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों और कम उत्सर्जन वाले वाहनों को अपनाएं। इस तरह के कुछ कदम भारत के लिए एक मूल्यवान मॉडल के रूप में काम कर सकता है। चीन की तरह भारत भी ऊर्जा संकट का सामना कर रहा है। खासतौर पर बिजली की क्षेत्र में जो कोयले पर निर्भरता के कारण और भी बढ़ गया है। हालांकि, भारत अक्षय संसाधनों से भी समृद्ध है, और सौर और वायु ऊर्जा की ओर ध्यान केंद्रित करने से न केवल प्रदूषण कम हो सकता है, बल्कि अधिक टिकाऊ तरीके से ऊर्जा सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सकती है। इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इस तरह के वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देकर और चार्जिंग स्टेशन जैसे बुनियादी ढांचे का विस्तार करके, भारत अपने प्रमुख शहरों की सड़कों पर वाहनों से होने वाले उत्सर्जन को कम कर सकता है। रिन्यूएबल एनर्जी को अपनाने और ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन क्रांति का संयोजन समय के साथ भारत की वायु गुणवत्ता में पर्याप्त सुधार ला सकता है। इसके अलावा, चीन द्वारा अपने औद्योगिक प्रथाओं को आधुनिक बनाने और साफ करने का प्रयास उसकी प्रदूषण नियंत्रण रणनीति में एक महत्वपूर्ण तत्व रहा है।।

भारतीय आर्थिक दर्शन एवं प्राचीन भारत में आर्थिक विकास

प्रह्लाद सबनानी

भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार नदियों, पहाड़ों, जंगलों, जीव जंतुओं में भी देवताओं का वास है, ऐसा माना जाता है। इसीलिए यह कहा गया है कि इस पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं करें। सर जगदीश चंद्र बसु ने एक परीक्षण किया और इस परीक्षण के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पेड़ पौधों में भी वैसी ही संवेदना होती है जैसी मनुष्यों में संवेदना होती है। जिस प्रकार मनुष्य रोता है, हंसता है, प्रसन्न होता है।

भारत में वेदों, पुराणों एवं शास्त्रों में यह कहा गया है कि मानव जीवन हेतु मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। मोक्ष प्राप्ति के लिए अच्छे कर्मों का करना आवश्यक है। अच्छे कर्म अर्थात हमारे किसी कार्य से किसी पशु, पक्षी, जीव, जंतु को कोई दुःख नहीं पहुंचे एवं सर्व समाज की भलाई के कार्य करते रहें। अर्थात, इस धरा पर निवास करने वाले प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, मंगल हो। ऐसी कामना भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में की जाती है। इसी प्रकार, धर्म के महत्व को स्वीकार करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र, नारद की नारद स्मृति और याज्ञवल्क्य की याज्ञवल्क्य स्मृति में कहा गया है कि 'अर्थशास्त्रात् बलवत धर्मशास्त्र नीतिस्थिति'। अर्थात, यदि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं नैतिकता के सिद्धांत के बीच कभी विवाद उत्पन्न हो जाए तो दोनों में से किसे चुनना चाहिए। कौटिल्य, नारद एवं याज्ञवल्क्य कहते है कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की तुलना में यानी केवल पैसा कमाने के सिद्धांतों की तुलना में हमको धर्मशास्त्र के सिद्धांत अर्थात नैतिकता, संयम, जिससे समाज का भला होता हो, उसको चुनना चाहिए। कुल मिलाकर अर्थतंत्र धर्म के आधार पर चलना चाहिए। गुन्नार मृडल जिनको नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं जिनकी 'एशियन ड्रामा' नामक पुस्तक बहुत मशहूर हुई थी। उन्होंने एक और छोटी किताब लिखी है जिसका नाम है 'अगेन्स्ट द स्ट्रीम'। इस किताब में उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नैतिक विज्ञान बताया है। कुछ वर्ष पूर्व अखबारों में एक खबर छपी थी कि विश्व बैंक ने यह जानने के लिए एक अध्ययन प्रारम्भ किया है कि विकास में आध्यात्म की कितनी भूमिका है। इसी प्रकार दुनिया में यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि दरिद्रता मिटाने में धर्म की क्या भूमिका हो सकती है। प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाष्यकार हो गया है, जिसका नाम यासक था। यासक ने 'निघंटु' नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए है, और प्रत्येक शब्द का अलग अलग अर्थ है। दुनिया की किसी पुस्तक में अथवा किसी अर्थशास्त्र की किताब में धन के 28 समानार्थ शब्द नहीं मिलते है। भारत के शास्त्रों में धन के सम्बंध में उच्च विचार बताए गए है। भारत के शास्त्रों ने अर्थ के क्षेत्र को हेय दृष्टि से नहीं देखा है एवं यह भी कभी नहीं कहा है कि धन अर्जन नहीं करना चाहिए, पैसा नहीं कमाना चाहिए, उत्पादन नहीं बढ़ाना चाहिए। बल्कि दरिद्रता एवं गरीबी को पाप बताया गया है। हां, वेदों में यह जरूर कहा गया है कि जो भी धन कमाओ वह शुद्ध होना चाहिए। 'ब्लैक मनी' नहीं होना चाहिए, भ्रष्टाचार करके धन नहीं कमाना चाहिए, स्मगलिंग करके धन नहीं कमाना चाहिए, कानून का उल्लंघन करते हुए धन अर्जन नहीं करना चाहिए, ग्राहक को धोखा देकर धन नहीं कमाना चाहिए। मनु स्मृति में तो मनु महाराज ने कहा है कि सब प्रकार की शुद्धियों में सर्वाधिक महत्व की शुद्धि अर्थ की शुद्धि है। भारतीय शास्त्रों में खूब धन अर्जन करने के बाद इसके उपयोग के सम्बंध में व्याख्या की गई है। अर्जित किए धन को केवल अपने लिए उपभोग करना, उस धन से केवल ऐय्याशी करना, केवल अपने लिए धन को लेना, अपने परिवार के लिए मौज मस्ती करना, आदि को ठीक नहीं माना गया है। अर्जित किए गए धन को समाज के साथ मिल बांटकर, समाज के हितार्थ उपयोग करना चाहिए। भारत के प्राचीन ग्रंथों में जीवन के उद्देश्य को पुरुषार्थ से जोड़ते हुआ यह कहा गया है कि धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष, इन चारों बातों पर विचार करके मनुष्य को सुखी करने के सम्बंध में विचार किया जाना चाहिए। इसी विचार के चलते भारत के मनीषियों द्वारा अर्थ और काम को नकारा नहीं गया है। कई बार भारत के बारे में वैश्विक स्तर पर इस प्रकार की भ्रांतियां फैलाने का प्रयास किया जाता रहा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में तो अर्थ और काम को नकार दिया गया है। प्राचीन काल में भी ऐसा कतई नहीं हुआ है। अगर, ऐसा हुआ होता तो भारत सोने की चिड़िया कैसे बनता? हां, भारत के प्राचीन शास्त्रों में यह जरूर कहा गया है कि अर्थ और काम को बेलगाम नहीं छोड़ना चाहिए। अर्थ और काम को मर्यादा में ही रहना चाहिए। धन अर्जित करने पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है परंतु यह धर्म का पालन करते हुए कमाना चाहिए। अर्थात, अर्थ को धर्म के साथ जोड़ दिया गया है। इसी प्रकार काम को भी धर्म के साथ जोड़ा गया है। उपभोग यदि धर्म सम्मत और मर्यादित होगा तो इस धरा का दोहन भी सीमा के अंदर ही रहेगा। अतः कुल मिलाकर अर्थशास्त्र में भी नैतिकता का पालन होना चाहिए। प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं वर्तमान अर्थशास्त्र में यह भी एक बहुत बड़ा अंतर है। आजकल कहा जाता है कि नीति का अर्थशास्त्र से कोई लेना देना नहीं है। जबकि वस्तुतः ऐसी कोई भी अर्थव्यवस्था, अर्थतंत्र और विकास का कोई भी तंत्र जिसमें नैतिकता को स्वीकार न किया जाय वह चल नहीं सकती और वह समाज का भला नहीं कर सकती। अर्थ को प्रदान किए गए महत्व के चलते ही प्राचीनकाल में भारत में दूध की नदियां बहती थीं, भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, भारत का आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में बोलबाला था। भारत के ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक बहुत सम्पन्न हुआ करते थे। कृषि उत्पादकता की दृष्टि से भी भारत का पूरे विश्व में डंका बजता था तथा खाद्य सामग्री एवं कपड़े आदि उत्पादों का निर्यात भारत से पूरे विश्व को होता था। भारत के नागरिकों में देश प्रेम की भावना कूट कूट कर भरी रहती थी तथा उस खंडकाल में भारत का वैभव काल चल रहा था, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों में नागरिक आपस में भाई चारे के साथ रहते थे एवं आपस में सहयोग करते थे। केवल 'मैं' ही तरक्की करूं इस प्रकार की भावना का सर्वथा अभाव था एवं 'हम' सभी मिलकर आगे बढ़ें, इस भावना के साथ ग्रामीण इलाकों में नागरिक प्रसन्नता के साथ अपने अपने कार्य में व्यस्त एवं मस्त रहते थे। प्राचीन काल में भारत में भव्यता के स्थान पर दिव्यता को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। भव्यता का प्रयोग सामान्यतः स्वयं के विकास के लिए किया जाता है। जबकि दिव्यता का उपयोग समाज के विकास में आपकी भूमिका को आंकने के पश्चात किया जाता है। भव्यता दिखावा है, भव्यता प्रदर्शन है, अतः केवल भव्यता के कारण किसी का जीवन ऊंचाईयों को नहीं छू सकता है, इसके लिए दिव्यता होनी चाहिए, अर्थात समाज की भलाई के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होता है। अर्थ को धर्म से जोड़ने के साथ ही, प्रकृति के संरक्षण की बात भी भारतीय पुराणों में मुखर रूप से कही गई है।

हर चुनाव नेताओं की नाकामियों और कामयाबियों को दर्शाता है

कल्याणी शंकर

क्या भारत की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी सीखने और अनुकूलन के अवसरों को भुनाने में विफल रही? क्या एन.सी.पी. और शिवसेना के उद्धव गुट ने संकेतों की गलत व्याख्या की? क्या झारखंड में भाजपा ने गलतियां कीं? महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनावों के हालिया नतीजों से विकास के अवसरों के चूकने का पता चलता है। महाराष्ट्र और झारखंड के चुनावों में 2 बातें सामने आई हैं। पहली बात यह है कि महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एन.डी.ए. की जीत का आकार, जिसने एन.सी.पी. और उद्धव शिवसेना को हराया, जो पहले महाराष्ट्र में शासन कर चुकी थीं, और दूसरी बात यह कि हेमंत सोरेन ने झारखंड को कितनी आसानी से बरकरार रखा। दोनों अपने-अपने राज्यों में शासन कर रहे थे। अगर कांग्रेस ने पिछले अनुभवों से सीखा होता और आवश्यक समायोजन किए होते तो यह बेहतर प्रदर्शन कर सकती थी। पचमढ़ी या शिमला सम्मेलनों के विपरीत, यहां चुनाव-पश्चात विश्लेषण का अभाव रहा है। कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण की इस कमी को दूर करना चाहिए। यह पीढ़ीगत बदलाव के कारण नहीं हो सकता, क्योंकि बदलाव निरंतर होता है। आने वाली पीढ़ियों को पार्टी को आगे ले जाने के लिए काम करना चाहिए। बड़ी पुरानी पार्टी पूरी तरह से विपक्ष के नेता राहुल गांधी और उनके चुने हुए सहयोगियों के नियंत्रण में है। राहुल ने कड़ी मेहनत की और प्रचार किया, लेकिन पार्टी को अभी भी मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक लाना होगा। नतीजों से पता चलता है कि उन्होंने हाल ही में हरियाणा विधानसभा चुनावों से कुछ नहीं सीखा है, जैसे कि एक नेता पर बहुत अधिक निर्भर रहना, दूसरों की अनदेखी करना और जीतने की स्थिति में होने के बावजूद टिकटों का गलत वितरण। कांग्रेस पार्टी, एन.सी.पी. और शिवसेना के उद्धव खेमे को जिस सबसे महत्वपूर्ण पहलू पर ध्यान देना चाहिए, वह है कथानक। कांग्रेस के लिए, जाति के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना, संविधान की रक्षा करना और प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत हमले करना मतदाताओं को पसंद नहीं आया है। यह अलगाव एक स्पष्ट संकेत है कि पार्टी को अपनी रणनीति का पुनर्मूल्यांकन करने और उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है जो वास्तव में मतदाताओं के लिए मायने रखते हैं, जैसे कि रोटी और मक्खन के मुद्दे। यह एक गंभीर चिंता का विषय है, जिस पर एकमत होने की आवश्यकता है। 'इंडिया' गठबंधन के भीतर भी अब मतभेद हैं। हाल के परिणामों के बाद, 'इंडिया' ब्लॉक में भागीदार, जैसे कि 'आप' और तृणमूल कांग्रेस, अपने स्वयं के एजेंडे पर काम कर रहे हैं और संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र के लिए संयुक्त कार्रवाई में बहुत कम रुचि दिखा रहे हैं। इससे पहले भी, राहुल गांधी के सावरकर पर हमले ने कांग्रेस को कोई समर्थन नहीं दिलाया था; इसके बजाय, इसने शिवसेना, जो सावरकर को आदर्श मानती थी और कांग्रेस के बीच मतभेद पैदा कर दिया था। इन दलों को भाजपा के मूल संगठन, आर.एस.एस. के राजनीतिक प्रभाव का भी एहसास नहीं था, जिसने पार्टी की सफलता के लिए काम किया। 'इंडिया' ब्लॉक ने लोकसभा चुनावों के दौरान मुद्दों को स्पष्ट नहीं किया, केवल भाजपा और उसके सहयोगियों को हराने पर ध्यान केंद्रित किया। इस रणनीति ने लोकसभा परिणामों को प्रभावित किया, जिससे भाजपा को 2 क्षेत्रीय दलों, जद (यू) और तेलुगु देशम पार्टी के समर्थन से सरकार बनाने के लिए मजबूर होना पड़ा। मराठा दिग्गज शरद पवार अपनी पार्टी और चुनाव अपने भतीजे, अजित पवार से हारने के बाद निराशा महसूस कर रहे होंगे, जिन्हें उन्होंने तैयार किया था। चेतावनी के संकेत तब स्पष्ट हो गए जब अजित ने भाजपा का दामन थाम लिया और सरकार बनाने में अपने चाचा को धोखा दिया। स्थिति तब और खराब हो गई जब चुनाव आयोग ने अजित के गुट को असली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के रूप में मान्यता दे दी, जबकि शरद पवार ने इसे कई बार स्थापित किया । इस फैसले ने पवार को बहुत कमजोर कर दिया। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे, जिन्होंने अपने पिता की जगह ली, पार्टी और चुनाव अपने बागी एकनाथ शिंदे से हार गए, जिन्होंने भाजपा को महाराष्ट्र में गठबंधन में सरकार बनाने में मदद की। दोनों को इस बात पर आत्मचिंतन करना चाहिए कि उनकी लोकप्रियता में कमी क्यों आई। दूसरी ओर, 'इंडिया' ब्लॉक में भागीदार जे.एम.एम. ने कई चुनौतियों के बावजूद जीत हासिल करने का तरीका दिखाया है।

दुनिया का सिरमौर बनने की ओर अग्रसर भारत

भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहां से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत एवं उसके प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साख एवं सीख के कारण भारत दुनिया का सिरमौर बनने की दिशा में अग्रसर है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में 5 दिन के विदेश दौरे में तीन देशों की यात्रा की और 31 ग्लोबल लीडर्स और वैश्विक संगठनों के प्रमुखों के साथ मुलाकात की। मोदी की विदेश यात्राओं से विश्व में भारत का न सिर्फ सम्मान बढ़ रहा है बल्कि दुनिया का हमारे देश के प्रति नजरिया भी बदल रहा है। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि दुनिया के शीर्ष ताकतों को सिर्फ अपने बारे में नहीं सोचना चाहिए। आर्थिक रूप से संपन्न देशों को छोटे-छोटे देशों के हितों का भी उतना ही ख्याल रखना होगा। प्रधानमंत्री के एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का मंत्र इस बात की ओर ही संकेत है। भारत में वैश्विक विकास को फिर से पटरी पर लाने, युद्धमुक्त दुनिया बनाने, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन जैसे वैश्विक चिंता के प्रमुख मुद्दों पर दुनिया की अगुवाई करने की क्षमता है। इस पहलू को अब दुनिया की तमाम बड़ी शक्तियां भी स्वीकार करने लगी हैं। मोदी ने बार-बार कहा है भारत 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना से काम करता है, जिसमें छोटे-छोटे देशों के हितों को पूरा करने के लिए समान विकास और साझा भविष्य का संदेश भी निहित है, जो भारत की आशावादी एवं समतामूलक सोच को दर्शाता है। भारत को स्वर्णिम भारत, अच्छा भारत, रामराज्य का भारत या दुनिया का सिरमौर इसलिये कहा जाता है कि यह वो देश है जहां से दुनिया ने शून्य को जाना। खेल, पर्यटन और फिल्मों से जिसको पहचाना जाता है। जिसकी अंतरिक्ष में पहुंच, तकनीकी प्रतिभाओं से विश्व ने भी भारत का लोहा माना है। बिना रक्त क्रांति के जिसने पायी थी आजादी। भारत दुनिया को बाजार नहीं, एक परिवार मानता है। संतों के सान्निध्य में चलने वाली भारत की व्यवस्था पूरी दुनिया के लिए मार्गदर्शन है। मानव सभ्यता के 95 प्रतिशत समय तक भारत दुनिया को खनिज, मसाले और धातुओं के साथ ही धर्म, गणित एवं खगोलशास्त्र की अवधारणाएं देता रहा। जब सारी दुनिया भटकती है तब भारत उसका मार्ग प्रशस्त करता है। भारत टकराव और संघर्ष को मानवता के लिए खतरा मानता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि मौजूदा दौर में हमें अपने अस्तित्व ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता के लिए लड़ने की जरूरत है। भारत ने अपनी विदेश नीति के जरिए हमेशा ही ये संदेश दिया है कि आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, गरीबी, आतंकवाद, युद्ध और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रही है, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है। आज दुनिया में ऐसी ही संवेदनशील अर्थव्यवस्थाओं के निर्माण की चर्चा हो रही है जहां समाज कल्याण एवं जीडीपी विकास दोनों का सह-अस्तित्व हो और नागरिकों की प्रसन्नता सर्वोपरि हो। भारत ऐसी ही अर्थव्यवस्था यानी संवेदनशील वैभव के सदुपयोग को खुशहाल जीवन और दीर्घकालिक आत्मनिर्भर समाज का आधार मानते हुए आगे बढ़ रहा हैं। भारतीय सभ्यता सदा से धन और दान दोनों को सर्वोच्च मानती है। हमारे ऋषियों-मनीषियों ने वाकपटुता, सहायता करने की तत्परता, शत्रुओं से निपटने की बुद्धिमत्ता, स्मृति, कौशल, नैतिकता एवं राजनीति का ज्ञान आदि गुणों को सफल नेतृत्व का आधार बताया और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन्हीं गुणों के बल पर भारत को दुनिया में अव्वल स्थान पर पहुंचाया हैं।स्वदेशी एवं समावेश सोच, आदर्श जीवनशैली, वैश्विक सोच है और दुनिया इन्हीं आइडियाज में अपनी सभी चुनौतियों का समाधान देख रही है।

मंदसौर गौरव दिवस मनाने हेतु नपा में बैठक सम्पन्न

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दिनांक 8 दिसम्बर रविवार को मंदसौर नगर का गौरव दिवस हर्षोल्लास से मनाया जाये इसकी तैयारियों को लेकर नपा परिषद के सभापतिगणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ ही पूर्व के गौरव दिवस आयोजन में सक्रिय भूमिका का निर्वहन करने वाले शिक्षाविदों की संयुक्त बैठक नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता में नपा कार्यालय में आयोजित हुई। इस बैठक में शा. महाविद्यालय जनभागीदार समिति अध्यक्ष नरेश चंदवानी, शिक्षा विद व वरिष्ठपत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, ब्रजेश जोशी, नपा सभापतिगण भावना पमनानी, निलेश जैन, रमेश ग्वाला, सत्यनारायण भांभी, पार्षदगण दीपक गाजवा, कमलेश सिसौदिया, हाजी शहजाद पटेल, पार्षद प्रतिनिधि नरेन्द्र बंधवार, अमन फरक्या, नंदलाल गुजरिया, नपा के अजय शर्मा, महेश शर्मा, राजेन्द्र नीमा भी उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों व अन्य आमंत्रित प्रमुखजनों के द्वारा गौरव दिवस को भव्यता से आयोजित करने के संबंध में विभिन्न सुझाव दिये गये। बैठक में यह तय हुआ कि नपा दिनांक 8 दिसम्बर को तेलिया तालाब पिकनिक स्पॉट पर स्थित सम्राट यशोधर्मन की प्रतिमा स्थल पर सायंकाल भव्य कार्यक्रम का आयोजन करेगी जिसमें मंदसौर जिले के प्रमुख जनप्रतिनिधिगणों को आमंत्रित भी किया जावेगा। बैठक में यह भी तय किया गया कि नरेन्द्र त्रिवेदी एवं साथीगणों के द्वारा सांस्कृतिक रंगमंचीय कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जायेगी। इसी मंच पर मालवी भाषा की जो फिल्म बनने जा रही है उसका मुहूर्त शॉट भी होगा। इस मौके पर आतिशबाजी भी की जायेगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के पहले जनप्रतिनिधियों के द्वारा ग्राम सौंधनी के समीप सम्राट यशोधर्मन के विजय स्तंभ पर दीप प्रज्वलित भी किये जायेंगे। बैठक में अन्य जो सुझाव आये उन पर निर्णय के लिये नपाध्यक्ष को अधिकृत किया गया। बैठक में पार्षद के द्वारा अपने सुझावों से नपाध्यक्ष को अवगत भी कराया।

विद्यालय की 104 छात्राओं ने किया प्रसिद्ध स्थलों का शैक्षणिक भ्रमण

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदसौर के प्राचार्य श्री के.सी.सोलंकी के नेतृत्व में दिनांक 28 से 30 नवंबर तक विद्यालय की 104 छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण दल, श्रीमती रेणूका आचार्य, श्रीमती दीपश्री राठौर, श्री सुरेश बोराना, श्री कुन्दन सांखला, श्रीमती जया सोनी, श्रीमती अलका रत्नावत, सुश्री मुनमुन जैन के मार्गदर्शन में गुजरात के पावागढ़ माताजी, पोईचा के स्वामीनारायण मंदिर, नीलकंठ धाम और स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्थित, जंगल सफारी, सरदार सरोवर बांध भ्रमण हेतु गया।

छात्राओं की प्रतिनिधि अध्यक्ष सुश्री नेहा सुरावत के साथ 104 छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण दल के माध्यम से, अपनी सांस्कृतिक ऐतिहासिक धरोहर के प्रति जागरुक रहकर पशु-पक्षी, नदी तालाब, ऐतिहासिक मूर्तियां, मंदिर आदि की श्रेष्ठ जानकारी प्राप्त की।इस भ्रमण से छात्राओं ने सीखा कि हमें किस प्रकार हमारी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखना है और भावी पीढ़ी तक समृद्ध विरासत सौंपनी है। भ्रमण के माध्यम से छात्राओं ने सामाजिक परिवेश में आपसी सामंजस्य का महत्व समझा एवं अपने साथी का ध्यान रखना और उसके दर्द को अपना दर्द समझना उसकी खुशी में खुश होना भी सीखा। भ्रमण के प्रथम दिवस छात्राएं रात्रि में पावागढ़ माताजी के दरबार हेतु उड़न खटोले के माध्यम से उपरी पहाड़ी तक ले जाया गया और तत्पश्चात 450 सीढ़ियो की चढ़ाई कर छात्राओं ने पावागढ़ माता जी के दर्शन का लाभ प्राप्त किया। पावागढ़ माताजी के दर्शन के पश्चात सभी शिक्षक और छात्राएं धर्मशाला पहुंचे, भोजन करने के बाद कैंप फायर गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने, गीत संगीत, अंताक्षरी और नृत्य संगीत के द्वारा कार्यक्रम में समा बांध दिया। द्वितीय दिवस गुजरात के पोईचा स्थित स्वामीनारायण मंदिर, म्यूजियम, सहज धाम यूनिवर्स और शैक्षिक प्रदर्शनी का भ्रमण छात्राओ द्वारा किया गया जहां छात्राओं ने प्राकृतिक सुरम्य वातावरण और बाग बगीचों का भ्रमण किया, एक सौ एक गोमुख में स्नान ध्यान किया, तत्पश्चात पोइचा में ही रात्रि विश्राम किया। तृतीय दिवस स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के लिए प्रस्थान किया, जहां सरदार सरोवर बांध, जंगल सफारी, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी लेजर शो, सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची विश्व प्रसिद्ध मूर्ति को देखकर छात्राएं और शिक्षक अभिभूत हो गए। भारत को एकता के सूत्र में बांधने वाले सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्होंने भारत का एकीकरण किया।भारत के प्रथम गृह मंत्री रहे, सरदार पटेल की प्रतिमा को देखकर, उनके कार्यों का अंदाजा लगाया जा सकता है और छात्राओं ने वल्लभभाई पटेल के सम्मान में अनेक नारे लगाए इस प्रकार का शैक्षणिक भ्रमण का कार्यक्रम चालीस सालों में प्रथम बार महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण दल प्राचार्य श्री के सी सोलंकी के नेतृत्व में सफलतम 3 दिवस की सुनहरी यादें और अद्भुत ज्ञान प्राप्त कर वापस आया।

आठ लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत

नीमच, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। अनुविभागीय अधिकारी राजस्वम नीमच डॉ.ममता खेड़े ने राजस्व पुस्तक परिपत्र भाग 6(4) तहत दो पीडित परिवारों को 8 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। ग्राम सेमार्डा निवासी मृतक राजुलाल पिता बंशीलाल की पानी में डूबने से मृत्यु हो जाने पर मृतक की वारिस पत्नी जशोदाबाई, पुत्रियों सीताबाई, राधाबाई, हर्षिता को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। इसी तरह ग्राम कुचडोद निवासी पुष्कर पिता मोहनलाल धानका को जहरीले जानवर के काटने से मृत्यु होने जाने पर मृतक के वारिस मोहन लाल पिता भवरलाल धानका को 4 लाख की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। तहसीलदार नीमच ग्रामीण एवं तहसीलदार जीरन द्वारा आर्थिक सहायता का प्रकरण तैयार कर स्वीकृति के लिए एसडीएम नीमच को प्रस्तुत किया गया था।

आज के विकट समय में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिर गांधी जी की याद आती है-कुमावत

सर्व हिन्दू समाज रैली और ज्ञापन में सम्मिलित हो

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में सर्व हिंदू समाज आज 4 दिसंबर 2024 बुधवार को एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम देगा। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में एक ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम देना है इसके लिए सभी समाज के बंधुगण दोपहर 1 बजे महाराणा प्रताप बस स्टेंड स्थित अभिव्यक्ति स्थल पर एकत्रित होगे और वहां से रेली के रूप में कलेक्टेलट कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन देंगे।

उक्त बात कहते हुए जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमावत ने कहा कि ऐसी ही स्थिति जब पाकिस्तान में निर्मित हुई थी तब उस समय भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी जी ने पाकिस्तान के टुकडे कर बांग्लादेश को बना दिया था। बांग्लोदश को बनाने वाला भारत ही है इंदिरा गांधी जी ने उस समय भारत की ताकत को विश्व पटल पर दर्शाया था। श्री कुमावत ने कहा कि आज देश में हिन्दुओं के नाम पर बनी सरकारें बांग्लोदश पर हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार पर चुप बैठी हे जबकि होना तो ये चाहिए था कि वहां भारत के प्रधानमंत्री का हस्तक्षेप बडे स्तर पर होना चाहिए था लेकिन दुखद है कि ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला। आपने कहा कि आज के समय में इंदिरा गांधी की याद आती है जो हिन्दुओं के पक्ष में निर्णय लेने में कभी देरी नहीं करती थी। श्री कुमावत ने कहा कि जिस बांग्लादेश को हमने बनाया वहीं आज हमारे लोगों पर अत्याचार कर रहा है। भारत सरकार को इस पर कड़ा एक्शन लेने की आवश्यकता है इसलिए भारत सरकार को जगाने और बांग्लोदश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में अधिक से अधिक संख्या में आज होने वाले आक्रोश प्रदर्शन, रैली और ज्ञापन में सम्मिलित होवे और जो आतंकवाद विश्व में बढ रहा है उसका विरोध करें।

स्वतंत्रता संग्राम में वकीलों से अधिक योगदान किसी और पेशे का नहीं रहा-दादूपंथी

जागरण संस्था ने प्रथम राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद का जन्मदिन अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाया

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। देश के प्रथम राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद जी का जन्म दिवस अधिवक्ता दिवस के रूप में जागरण संस्था द्वारा ऑनर्स एकेडमी पर बनाया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता मनीष दादूपंथी व अधिवक्ता शैलेंद्र पलोदिया का सम्मान नरेंद्र गुप्ता, देवेंद्र शर्मा, दिनेश नलवाया, ब्रजकिशोर जाट, राजेंद्र श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

अधिवक्ता दादूपंथी ने अपने उद्बोधन में बताया भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर 1884 को बिहार में हुआ था उनके जन्म की वर्षगांठ पर प्रत्येक तीन दिसंबर को अधिवक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। वह एक विद्वान अधिवक्ता थे तथा भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में थे। वह 12 वर्षों तक राष्ट्रपति रहे तथा उन्हें 1962 में भारत रत्न से सम्मानित किया गया। स्वतंत्रता संग्राम में अधिवक्ताओं का बहुत योगदान रहा। महात्मा गांधी से लेकर भारत रत्न भीमराव आंबेडकर ने वकालत के पेशे से अपने जीवन की शुरुआत की। भारत वकालत विश्व भर में अत्यंत सम्मानीय और गरिमामय पेशा है। भारत में भी वकालत गरिमामय और सत्कार के पेशे के तौर पर हर दौर में बना रहा है। स्वतंत्रता संग्राम में वकीलों से अधिक योगदान किसी और पेशे का नहीं रहा। स्वतंत्रता संग्राम में वकीलों ने जमकर लोहा लिया है। किसी युग में वकालत इंग्लैंड का राजशाही पेशा रहा है। संभ्रांत घरानों के लोग वकालत करते थे। वकील के गाउन में पीछे दो जेब होती थी, इन पीछे दो जेबों का अर्थ था अपने क्लाइंट से कोई राशि नहीं मांगी जाना अर्थात क्लाइंट जो चाहे अपनी इच्छा अनुसार जेब में परिश्रमिक डाल जाए। अधिवक्ता की गरिमा वर्तमान भारत में भी ज्यों की त्यों बनी हुई है। अनेकों पेशों का आज आधुनिक बाज़ारवादी युग में प्रवेश हुआ है पर वकालत की चमक पर कोई पॉलिश अब तक भरी नहीं हुई है। आज भी भारतभर में बड़ी संख्या में लोग अधिवक्ता के लिए रजिस्टर हो रहे हैं। भारत की सारी न्याय व्यवस्था अधिवक्ता के काम पर टिकी हुई है। इतना कहना अतिश्योक्ति नहीं है कि न्याय मिल ही इसलिए रहा है क्योंकि अधिवक्ता उपलब्ध है। अधिवक्ता न्यायालय के अधिकारी है, कभी कभी वह न्यायाधीश से उच्च स्तरीय प्रतीत होते क्योंकि संपूर्ण न्याय व्यवस्था का भार इन ही काले कोट के कंधों पर है। अगर अधिवक्ता न हो तो भारत की जनता को न्याय मिलना असंभव सा हो चले। मनुष्य की असभ्य युग से सभ्य युग तक आने की यात्रा बहुत लंबी है और इस यात्रा के बाद विधि शासन का जन्म होता है और विधि शासन को बनाए रखने वाली अदृश्य शक्ति एक प्रकार से अधिवक्ता भी है। यह बात पूरी तरह ठीक नहीं है कि विधि शासन को केवल सरकार बरकरार रखती है अपितु इसमें अधिवक्ता का भी विस्तृत और अकल्पनीय योगदान है परन्तु वह अदृश्य है जो दिखाई नहीं दे रहा है, यह अदृश्य कंधे ही इतने विशाल देश के विधि शासन के पर्वत को लेकर चल रहें है क्योंकि अधिवक्ता के नहीं होने पर न्यायालय के संचालन की कल्पना भी व्यर्थ है।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर द्वारा प्रसारित वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2024–25 के अनुपालन में तथा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश /अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन में 3 दिसंबर 2024 को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर, शिक्षा विभाग, और सामाजिक न्याय विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नूतन स्टेडियम मंदसौर में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में जिले के पांचों ब्लॉकों से दिव्यांग बच्चों ने भाग लेकर विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में निबंध लेखन प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। विजेता बच्चों को सम्मानित कर उनकी प्रतिभा को सराहा गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुये सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर सिद्धार्थ तिवारी ने माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की नालसा (बच्चों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाएं योजना) 2024 और नालसा (मानसिक विकलांग एवं बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवाएं योजना) 2024 के प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिव्यांग प्रमाण पत्र बनवाने में आने वाली किसी भी कठिनाई के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर से संपर्क किया जा सकता है। साथ ही, जिन बच्चों को कृत्रिम अंग /उपकरण की आवश्यकता है, वे प्राधिकरण में अपने दस्तावेज जमा करवा सकते हैं। उन्होंने नालसा की टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 के माध्यम से भी सहायता प्राप्त करने की जानकारी दी।इस अवसर पर विशेष स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया। स्वास्थ्य विभाग मंदसौर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रीति वास्कले, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. लवी उकावत, और अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. गौरव अखंड ने बच्चों का परीक्षण किया। शिविर में उन बच्चों को चिन्हित किया गया जिन्हें कृत्रिम अंग अथवा अन्य उपकरण की आवश्यकता है।कार्यक्रम में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री प्रवीण कुमार, डीपीसी श्री जगत देव शुक्ला, शिक्षकगण, और दिव्यांग बच्चों के परिवारजन उपस्थित रहे।

जिला पेंशन कार्यालय को बंद नहीं करने एवं 30 जून एवं 31 दिसम्बर की वेतनवृद्धि की...

प्रशासनिक स्वीकृति के अधिकार जिला अधिकारियों को देने को लेकर ज्ञापन दिया

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत पेंशनर्स समाज एवं प्रमुख पेंशनर एसोसिएशन जिला शाखा मंदसौर द्वारा माननीय मुख्यमंत्री, माननीय वित्त मंत्री एवं मुख्य सचिव भोपाल के नाम ज्ञापन कलेक्टर मंदसौर के माध्यम से श्री राहुल चौहान संयुक्त कलेक्टर मंदसौर को, संगठनों के जिलाध्यक्ष पं. गोपालकृष्ण शर्मा, सतीश नागर, कार्यकारी अध्यक्ष अशोक कुमार शर्मा, सचिव कन्हैयालाल भावसार, डी.के. जैन द्वारा दिया गया। ज्ञापन में म.प्र. शासन द्वारा 2011 में जिला मुख्यालयों पर पेंशनरों के पेंशन प्रकरणों में आ रही विभिन्न समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु जिला पेंशन कार्यालय खोले जाकर पेंशन स्वीकृति के संभागीय संयुक्त संचालकों के अधिकार जिला स्तर पर पेंशन कार्यालय को दिये गये थे। संचालनालय पेंशनर भविष्य निधि एवं बीमा म.प्र. भोपाल द्वारा अपने जारी परिपत्र 25.09.2024 द्वारा जिला पेंशन कार्यालयों को बंद कर इसका केन्द्रीयकरण कर भोपाल से संचालित करने की कार्यवाही की जा रही है। शासन से इस पर पुन: विचार कर जिला पेंशन कार्यालय यथावत रखने एवं 30 जून एवं 31 दिसम्बर को सेवानिवृत्त होने पर वित्त विभाग द्वारा एक काल्पनिक वेतनवृद्धि माननीय न्यायालयों द्वारा पेंशनरों की याचिकाओं पर पारित निर्णय के बाद दिनांक 15 मार्च 2024 एवं 18 नवम्बर 2024 को आदेश जारी किये गये में इसकी स्वीकृति के अधिकार विभागों के भोपाल के प्रशासकीय अधिकारियों को दिये गये है जिससे प्रकरणों की स्वीकृति समय पर नहीं दिये जाने से इसका लाभ पेंशनरों को नहीं मिल रहा है जिसके कारण शासन के विरुद्ध इन्हें न्यायालयों में अत्यधिक अवमानना याचिकाएं दायर करने को बाध्य हो रहे है। जिससे जहां शासन की छबि खराब हो रही है वहीं पेंशनर आर्थिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे है। संगठनों द्वारा इसकी स्वीकृति के अधिकार जिला स्तर पर कार्यालय प्रमुखों को दिये जाने एवं जिला स्तर के पेंशन कार्यालयों को बंद नहीं करने की मांग माननीय मुख्यमंत्री वित्त मंत्री एवं मुख्य सचिव से की जाकर दोनों ज्ञापनों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर पेंशनरों को राहत प्रदान करने का आग्रह किया गया। उक्त जानकारी एक विज्ञप्ति में सतीश नागर एवं अशोक कुमार शर्मा द्वारा दी गई।

सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना करने पर नपा एवं मप्र शासन को नोटिस दिया

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता गण एवं अभिभाषकगणों महेश कुमार मोदी, डॉ राघवेन्द्रसिंह तोमर, महेश समन्दर, इसरार खान, एहसान अजमेरी पत्रकार एवं सर्वसाधारण की ओर से अपने अभिभाषक श्री गोपालकृष्ण वर्मा के माध्यम से म.प्र. शासन व नगरपालिका को दिया नोटिश,

नोटिस में यह लिखा - भारत शासन ने वर्ष 2022 तक की समय सीमा में 'सिंगल प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंधित करने का संकल्प लिया था। इसी के परिपालन में म.प्र. प्रदुषण बोर्ड ने सन्दर्भित आदेश से 'डिस्पोजेबिल प्लास्टिक वस्तुए, प्लास्टिक के टीबेग, फुड पेकेजिंग, प्लास्टिक फ्लावर, बेनर, चाय कप, ग्लास, पाउच, चम्मच, इत्यादि सामान के उपयोग को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सन्दर्भि कंमाक पारित निर्णय में कई कमेटियो की रिपोर्ट, आई आई टी के प्रतिवेदन प्रदुषण विधान एवं नियमो का हवाला देते हुए दिनांक 01. 07.2022 से सिंगल युज प्लास्टिक, झण्डे, गुब्बारे, आईस्क्रीम, स्टीक्स, चाय के कप इत्यादि अनैक प्लास्टिक उत्पाद के निर्माण, स्टाक डिस्टीब्युशन, विक्रय एवं उपयोग पर दिनांक 01.07.2022 से प्रतिबंध लगा दिया है। म.प्र. शासन एवं नगर पालिका मन्दसौर द्वारा माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेशात्मक निर्णय के पालन में चाय के कप प्लास्टिक के ग्लास, इत्यादि उत्पाद के विकय उपयोग उपभोग पर रोक नही लगाकर सर्वोच्च न्यायालय को अवमानना की हैं। मन्दसौर जिला न्यायालय परिसर व आस पास की होटलो में चाय के प्लास्टिक कोटेड कप, प्लास्टिक ग्लास आदि प्रतिबंधित प्लास्टिक उत्पाद का धडल्ले से उपयोग किया जा रहा है, जिसे तत्काल प्रभाव से रोका जाकर, उनके विरूद्ध कानून समस्त कार्यवाही की जाने की आवश्यकता हैं।

वांछित सहायता- माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने वाले म.प्र. एवं न.पा. मन्दसौर के जिम्मेदार अधिकारियों के विरूद्ध कानून समस्त कार्यवाही कर दण्डित करावे। मन्दसौर न्यायालय परिसर के अन्दर व आस पास की होटलो से चाय के प्लास्टिक कोटेड कप, ग्लास, उपयोग तत्काल रोके। मन्दसौर नगर में समस्त थोक व रिटेल जो प्रतिबंधित प्लास्टिक आईटम के विकय/वितरण संग्रह कर रहे है, उनका समस्त माल, जप्त कर कानूनी कार्यवाही करें। जिम्मेदार अधिकारियों की उक्त निर्णय के पालन सुनिश्चित करवाने के लियें स्पष्ट जिम्मेदारी फिक्स करें। अतएव सूचना पत्र देकर सूचित किया जाता है कि सूचना पत्र प्राप्त होते ही माननीय सुप्रीम कोर्ट के आदेश का कठोरता से पालन सुनिश्चित किया जावे, अन्यथा म.प्र. शासन व नगर पालिका मन्दसौर के विरूद्ध सुप्रीम कोर्ट की अवमानना की याचिका प्रस्तुत की जावेगी, जिसकी समस्त जवाबदारी आप सभी पक्षो की होगी।

रेवास देवड़ा में नवांकुर संस्थाएं द्वारा जल संरक्षण हेतु किया बोरी बंधान

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। म.प्र. जन अभियान परिषद जिला मंदसौर विकासखंड मंदसोर जिला समन्वयक तृप्ति बेरागी के मार्गदर्शन में जन अभियान परिषद योजना अंतर्गत नवांकुर संस्था पारेशवर युवा ग्राम विकास समिति रेवास देवडा के तत्वावधान में सेक्टर रेवास देवडा की ग्राम पंचायत गुजरदा में श्रमदान के द्वारा जल संरक्षण हेतु बोरी बन्धान किया गया।बूंद बूंद से घड़ा भरता है इसी प्रकार जल संचय हेतु छोटी-छोटी जल संरचनाओं पर भी जल संचय हो एवं भूमिगत जल में वृद्धि हो इसके लिए जन अभियान परिषद द्वारा विकासखंड मन्दसौर में बोरी बधांन का कार्य जन सहयोग से किया जा रहा है। नवांकुर संस्था कार्यक्रम समन्वयक रतनलाल चोहन ने पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर चर्चा कर बोरी बंधान हेतु लोगो को जागरूक किया गया। जिसमें प्रियदर्शन सामाजिक सेवा सस्था के संस्थापक समाज सेवी उषा सोलंकी, सुनील दिनेश सोलंकी, प्रस्फुटन समिति गुजरदा अध्यक्ष, रमेश अहिरवार , राजकुमार मेघवाल, सुनील, उमेश मीणा, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के एम. एस.डब्ल्यू. छात्र मजदूर कल्याण समिति के करण परिहार, पुष्पा चौहान, दिपक चौहान दीपक बेरागी, यशवंत बेरागी उपस्थित रहे।

आश्रयविहीन श्रमिक परिवारों को आश्रय के लिए शेड का निर्माण करें-चंद्रा

नीमच, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच शहर के शा.बा.उ.मा.विद्यालय क्रमांक-2 के प्रांगण में निवासरत आश्रय विहिन श्रमिक परिवारों को सर्दी से बचाव के लिए सब्जी मण्डी के पास उपलब्ध जमीन पर नगरपालिका शेड बनाकर आश्रय की व्यवस्था करें। यह कार्य एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश नीमच नगरपालिका के सीएमओ को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जिला अधिकारियों की बैठक में दिए गए। बैठक में एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर एवं सभी एसडीएम तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को निर्देश दिए, कि वे अपने विभाग को आवंटित भूमि, जो वर्तमान में अनुपयोगी है, और भविष्य में भी उसका कोई उपयोग करने की संभावना नहीं है, ऐसी भूमि की जानकारी नजूल शाखा, कलेक्टर कार्यालय को 15 दिवस में अनिवार्य रूप से प्रस्तुहत करें।

प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पदों को लेकर सांसद ने लोकसभा में किया प्रश्न

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। प्राथमिक शिक्षकों के रिक्त पदों को लेकर सांसद सुधीर गुप्ता ने लोकसभा में प्रश्न किया। उन्होने प्रश्न करते हुए कहा कि देश में

शिक्षा पर व्यय चीन और जापान जैसे देशों से अधिक होता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है। सम्पूर्ण देश के विद्यालयों में प्राथमिक शिक्षकों के 8 लाख से अधिक पद रिक्त पड़े हुए है। क्या केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को उक्त रिक्त पदों को यथाशीघ्र भरने के लिए कोई निदेश जारी किए हैं। वहीं सरकार द्वारा देश में इन रिक्त पदों को भरने के लिए अन्य क्या उपाय किए गए कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं। प्रश्न के जवाब में शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री जयन्त चौधरी ने बताया कि शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का विषय है और अधिकांश स्कूल संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन हैं। शिक्षकों की भर्ती, उनकी सेवा शर्तें और तैनाती संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों के क्षेत्राधिकार में आते हैं। इसके अलावा, भर्ती एक सतत प्रक्रिया है और रिक्तियां कई कारकों के कारण उत्पन्न होती हैं जैसे सेवानिवृत्ति, इस्तीफा, छात्रों की बढ़ी हुई संख्या के परिणामस्वरूप शिक्षकों की बढ़ी हुई आवश्यकता।

उन्होने बताया कि स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, समय-समय पर, समीक्षा बैठकों और सलाहों के माध्यम से, राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों से इन रिक्तियों को स्वायत्त शिक्षक भर्ती बोर्ड के माध्यम से भरने और उनकी युक्तिसंगत तैनाती के लिए अनुरोध किया है। इसके अलावा, केन्द्र सरकार समय-समय पर संशोधित निशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार (आरटीई) अधिनियम, 2009 में निर्धारित मानदंडों के अनुसार समग्र शिक्षा की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के माध्यम से राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है ताकि स्कूल शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए उपयुक्त छात्र-शिक्षक अनुपात (पीटीआर) बनाए रखे जा सके।

दिव्यांगों के प्रति समाज संवेदनशील बने...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। दिव्यांग व्यक्ति भी समाज का एक महत्वपूर्ण अंग हे।किसी भी व्यक्ति के साथ इस आधार पर भेदभाव नही होना चाहिए कि वह दिव्यांग हे। यह दिव्यांगता उस व्यक्ति को या तो जन्म से मिली हे या फिर किसी दुर्घटना के कारण उत्पन्न हुई हे। ऐसे लोगो को समाज में पूरे सम्मान के साथ जीने का अधिकार हे। इस प्राणी जगत में प्रत्येक जीव जंतु में कुछ न कुछ

शारीरिक, मानसिक एवं आंतरिक रूप से कमजोरी, खूबियां और विशेषताएं पाई जाती हे। यह भी शाश्वत सत्य हे कि जिनके पास इस तरह की कमी, कमजोरी अथवा निशक्तता होती हे या वे उस प्राणी जगत में अपनी इस कमी के चलते अपने को कमतर या कमजोर मान लेते हे उन्हे ईश्वर उस कमी की पूर्ति के लिए कुछ अन्य तरह की विशेषताएं, कला या हुनर सौगात के रूप में प्रदान करता हे। समय, देशकाल व परिस्थिति के मान व आवश्यकतानुसार भी हमारे यहां ऐसे समूह के लिए उन्हे संबोधन की भाषाशेली और भाव बदलते रहे हे। कुछ समय पहले तक जिन्हे निशक्तजन कहा जाता था चाहे उनको किसी भी तरह की शारीरिक व्याधियो के साथ विकलांगता के रूप में पहचान मिली और केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने उन्हे दिव्यांगजन के रूप में संबोधित किया। यह सही भी हे क्योंकि इस संबोधन का हमारी भारतीय संस्कृति रीति नीति व धार्मिक मान्यताओ में भी बहुत हद तक मेलमिलाप हे। दिव्यांगो के पास एक अतिरिक्त ऊर्जा, ज्ञान, कला या फिर ऐसा अतिरिक्त गुण होता हे जो उसे अपनी कमजोरी को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित भी करता हे। योग्यता के मान से शारीरिक व्याधि का कोई महत्व नही तब ऐसे दिव्यांगजन अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए दुगनी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते हे। अंतराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस प्रतिवर्ष 3 दिसंबर को मनाया जाता हे। वर्ष 1976 में संयुक्त राष्ट्र आमसभा के द्वारा दिव्यांगजनो के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में 1981 को घोषित किया गया था। विश्व दिव्यांग दिवस पर हम प्रतिवर्ष दिव्यांगो के लिए अनेक कार्यक्रमो के आयोजन, पुरस्कारो आदि के बारे में सुनते हे। इस अवसर पर उनके अधिकारो की खूब चर्चा होती हे किंतु क्या केवल ऐसे आयोजनो से दिव्यांगो को उनके अधिकार पूरी तरह मिल जाते हे। क्या प्रत्येक दिवस उनके और उनके परिजनो के लिए सबकुछ सहज हो जाता हे ? एक समाज के रूप में हमे ईमानदारी से अपने भीतर झांककर देखना चाहिए कि क्या हम उनके प्रति अपने कर्तव्य ठीक से निभा रहे हे ? हमे स्वयं से पहले यह पूछना चाहिए कि क्या हम उनके अधिकारो और उनके प्रति अपने कर्तव्यो से सच में वाकिफ भी हे ? कारण यह कि दिव्यांगो के अधिकार ऐसे अधिकार हे जो हमारे कर्तव्यों पर निर्भर हे। जब तक पूरा समाज दिव्यांगो के प्रति कर्तव्य ठीक से नही निभाएगा तब तक दिव्यांगो के अधिकार कागजी ही बने रहेंगे। फिर उनके होने न होने में कोई फर्क नही। आज जब संपूर्ण विश्व दिव्यांगजनो के सामर्थ्य को याद करते हुए विश्व दिव्यांग दिवस मना रहा हे तब हम भारतवासियों को यह प्रण लेना चाहिए कि हम अपने स्तर पर दिव्यांगजनो को सम्मान, स्नेह और यथासंभव सहायता देंगे।

गौरव सोनी, मंदसौर

जनसुनवाई में प्राप्त समस्याओं का तत्परतापूर्वक निराकरण करें-चंद्रा

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 134 आवेदकों की सुनी समस्याएं

नीमच, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्ति जनसमस्याओं, आवेदनों का तत्परतापूर्वक समय-सीमा में सकारात्मक निराकरण कर, संबंधित आवेदक को भी लिखित में की गई कार्यवाही से अवगत कराये। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई करते हुए दिए। इस मौके पर एडीएम श्रीमती लक्ष्मी गामड़, जिला पंचायत सीईओ श्री अरविंद डामोर, एसडीएम डॉ.ममता खेडे. एवं जिला अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जनसुनवाई में 134 आवेदकों की सुनी समस्याएं और संबंधित अधिकारियों को आवेदकों का समय सीमा में निराकरण करने के निर्देश को दिए। जनसुनवाई में नीमच सिटी की मंजुबाई, मनासा की मेनाबाई, अमावली महल के उदयसिह, नीमच सिटी के सज्ज्नलाल, धनेरियाकलां के मोहनलाल, सेमली चंद्रावत के भगतसिह, मल्हारगढ के शादाब रहमान, नीमच की रजनी वधवा, हरवार की दाखीबाई, इंदिरा नगर नीमच की रूकसार बानो, रेवली देवली के विष्णु प्रसाद, ग्वालटोली के कमल प्रजापति ने भी जनसुनवाइ में अपने आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह रेतपुरा के बालुदास बैरागी, सरवानिया महाराज की लक्ष्मीबाई, लसुडी तंवर के भगतपुरी, आकली के छगनलाल, बिसलवास बामनियां के सुरेश, महागढ़ के अशोक कुमार, स्कीत नं.9 नीमच के अब्दुल खालिद, शिक्षक कॉलानी नीमच के पारसमल, हिंगोरिया के अमरलाल, मल्हारगढ के डॉ.मुफीज रहमान, कुम्हारा गली नीमच के सलीम खान, कांकरिया तलाई के दिनेश कुमार, जीरन की मांगीबाई, इंदिरानगर नीमच की ललिता बाई, दलावदा के रमेश गुर्जर, सुरजना के रामसुख, पिपलियाबाग के अलीम खान, ग्वालटोली नीमच के परसराम, अरनिया कुमार पिंकी आदि ने भी अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तु त किए। प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में नि:शुल्क आवेदन लिखने की व्यवस्था से खुश है आवेदक

नीमच, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की समस्याओं से संबंधित आवेदन पत्र लिखने के लिए जनसुनवाई कक्ष के बाहर (कलेक्ट्रेट नीमच) में ही आवेदकों के आवेदन लिखने की नि:शुल्क व्यवस्था की गई है। आवेदन लिखने के कार्य में 10 स्कूली विद्यार्थियों को बारी-बारी से तैनात किया गया है। इससे इन विद्यार्थियों को भी जनसमस्यों से संबंधित आवेदन पत्र लिखने, सीखने का अवसर मिल रहा है। साथ ही गरीब आवेदकों को अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन लिखने की नि:शुल्क सुविधा भी मिल रही हैं।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा की गई इस नई पहल की जनसुनवाई में मंगलवार को आए आवेदकों ने सराहना करते हुए काफी लाभदायक बताया है। आवेदकों ने इसके लिए कलेक्टर को धन्यवाद भी दिया है। कलेक्टर ने जनसुनवाई में आने वाले आवेदकों की समस्यओं से संबंधित आवेदन लिखेन के कार्य में जुटे हुए विद्यार्थियों से चर्चा कर, उनके अनुभव सुने। विद्यार्थियों ने आवदेन लिखने के परिणाम स्वरूप उन्हें हो रहे अनुभवों को काफी उपयोगी बताया। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जनसुनवाई में आवेदन लिखने के लिए विद्यार्थियों की बारी-बारी से सेवाएं ली जाए, जिससे कि इन छात्रों की पढाई के कार्य में भी कोई असुविधा ना हो।

मनासा चिकित्सालय का नामांकरण रामेश्वर मारू शासकीय चिकित्सालय हुआ

मनासा, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय समिति द्वारा शासकीय चिकित्सालय मनासा का

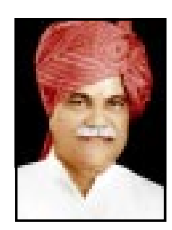

नांमाकरण श्री रामेश्वर मारू शासकीय चिकित्सालय मनासा करने का निर्णय लिया गया है। कलेक्टर नीमच श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा मनासा के चिकित्सालय का नाम श्री रामेश्वर मारू शासकीय चिकित्सालय मनासा करने संबंधी अधिसूचना क्रमांक 1788 नामाकंरण समिति/2024/नीमच दिनांक 29 नवम्बर 2024 जारी कर दी गईं हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी नीमच डॉ.दिनेश प्रसाद ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि मनासा चिकित्सालय का नाम श्री रामेश्वर मारू शासकीय चिकित्सालय मनासा करने संबंधी उक्त अधिसूचना म.प्र.के राजपत्र में प्रकाशन के लिए भेजी गई है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	110	2196	2454
उडद	31	4850	5820
सोयाबीन	5500	3300	4300
गेहु	1547	2770	3125
चना	196	5151	6372
मसुर	90	5400	6125
धनिया	145	6151	7181
लहसुन	11500	12400	29800
मैथी	660	4901	6355
मुंगफली	5500	3700	5311
अलसी	965	5551	6391
सरसो	2298	5400	5835
तारामीरा	4	4491	4531
इसबगोल	50	9800	12851
प्याज	14000	1150	3950
कलौंजी	25	13695	18190
तुलसी बीज	6	14590	17700
डॉलर	25	8000	13150
तिल्ली	17	9400	12454
जौ	0000	0000	0000
मटरसुखी	3	6401	6899
असालीया	9	9501	12102
चियाबीज	48	13400	14200

ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुम्हार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। लोकायुक्त की विशेष पुलिस स्थापना ने रिश्वतखोरी के गंभीर मामले में जिला मंदसौर के ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुम्हार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू की है। शिकायतकर्ता लखन पाटीदार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर दिनांक 22 नवंबर 2024 को ट्रैप की कार्रवाई की गई, जिसमें आरोपी मनीष चौधरी, अध्यक्ष केमिस्ट एसोसिएशन मंदसौर, को 26 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। इस मामले में जयप्रकाश कुम्हार को भी सह-आरोपी बनाया गया है।

इस मामले को लेकर थाना विशेष पुलिस स्थापना, लोकायुक्त, भोपाल में अपराध क्रमांक 171/2024 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधन 2018) की धारा 7 और भारतीय दंड संहिता की धारा 61 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है। विवेचना उज्जैन संभाग में लोकायुक्त संगठन द्वारा की जा रही है।

सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देश–मध्य प्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार, ट्रैप अथवा छापे की कार्रवाई में पकड़े गए अधिकारी/कर्मचारी को 3 कार्य दिवस के भीतर उस पद से हटा दिया जाना अनिवार्य है, जिस पर रहते हुए वह कार्रवाई हुई है। इसी क्रम में विशेष पुलिस स्थापना, उज्जैन ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन, भोपाल को 27 नवंबर 24 को पत्र लिखकर जयप्रकाश कुम्हार का तत्काल अन्यत्र स्थानांतरण सुनिश्चित करने की मांग की है।

घटना का विवरण–शिकायतकर्ता लखन पाटीदार ने आरोप लगाया था कि ड्रग इंस्पेक्टर जयप्रकाश कुम्हार और मनीष चौधरी ने उनसे अवैध रूप से रिश्वत की मांग की थी। लोकायुक्त की टीम ने शिकायत की जांच के बाद ट्रैप लगाकर मनीष चौधरी को रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि जयप्रकाश कुम्हार इस भ्रष्टाचार में मुख्य भूमिका निभा रहे थे।

प्रशासन की तत्परता–मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष पुलिस स्थापना ने नियमानुसार कदम उठाते हुए संबंधित अधिकारी के स्थानांतरण की सिफारिश की है। लोकायुक्त की यह कार्रवाई सरकार की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाती है।

आगे की कार्रवाई–विशेष पुलिस स्थापना के निर्देशों के अनुसार, खाद्य एवं औषधि प्रशासन को 3 कार्य दिवस के भीतर जयप्रकाश कुम्हार को वर्तमान पद से हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित करना होगा। यह कदम सुनिश्चित करेगा कि जांच प्रक्रिया निष्पक्ष और प्रभावी तरीके से संपन्न हो सके।

पशुपतिनाथ मंदिर में यात्रियों के लिए विश्राम, आवागमन, रुकने, खाने-पीने की बेहतर व्यवस्था हो-कलेक्टर

कलेक्टर ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य का निरीक्षण किया, पशुपतिनाथ मंदिर प्रबंध समिति की बैठक संपन्न

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में पशुपतिनाथ मंदिर प्रबंध समिति की बैठक पशुपतिनाथ सभागार में आयोजित की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण एजेंसी को निर्देश देते हुए कहा कि यात्रियों के ठहरने के लिए विश्रामगृह, यात्री प्रतीक्षालय प्रतीक्षालय, आवागमन की व्यवस्था, रुकने और ठहरने की व्यवस्था, खाने पीने की व्यवस्था बेहतर तरीके से हो। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य किया जाए। गेस्ट हाउस नवीनीकरण के अंतर्गत हाल, रूम, किचन, प्लास्टर रिपेयर, विद्युत कार्य, पुट्टी, पेंट, दरवाजा, खिड़की, वाटर प्रूफिंग, रोड मरम्मत बहुत अच्छे से हो। इसके साथ ही गेस्ट हाउस की छत पर सोलर पैनल लगाने कार्य भी किया जाए। जिससे नवीनीकरण ऊर्जा उत्पन्न हो। सुरक्षा गार्ड के लिए नई एजेंसी नियुक्त करें। मंदिर से निकलने वाले फूल पत्ते इत्यादि से कंपोजिट खाद बनाने के लिए कार्यवाही करें। बैठक के पश्चात कलेक्टर ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। दिवस बसेरा के स्थान पर बनने वाले यात्री प्रतीक्षालय स्थान का अवलोकन किया। निरीक्षण कार्य कार्य जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान मंदसौर विधायक श्री विपिन जैन, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, मंदसौर एसडीएम श्री राहुल चौहान, डिप्टी कलेक्टर श्री रविंद्र परमार, निर्माण एजेंसी के कर्मचारी मौजूद थे।

जनसुनवाई के दौरान 79 आवेदकों की समस्याएं सुनी

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला स्तरीय जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग द्वारा सुशासन भवन सभाकक्ष में 79आवेदकों की समस्याएं सुनी। अधिकारियों को जल्दी निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्राम थडोद के कन्हैया दास बैरागी का आयुष्मान कार्ड बनाया गया। साथ ही ग्राम छाजूखेड़ा में मंदिर की भूमि पर अतिक्रमण कर रखा है। जिस पर कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने मामले को तुरंत संज्ञान में लिया तथा तहसीलदार को अतिक्रमण हटाने के लिए निर्देशित कर मंदिर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया गया।जनसुनवाई में बीपीएल सूची में नाम जुड़वाने, प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवास मंजूर करने, निजी भूमि पर अवैध अतिक्रमण, भूमि विवाद, बीमारी सहायता, आपसी विवाद, शिक्षा ऋण दिलाने, सामुदायिक सुविधा घर (कम्युनिटी टायलेट) बनवाने आदि विषयों के आवेदन प्राप्त हुये। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैनएवं जिला अधिकारी मौजूद थे।

व्यवसाय बंद कर सड़कों पर उतरे हजारों लोग, राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देकर की हिन्दुओं की सुरक्षा की मांग

रतलाम, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बांग्लादेश में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा वंहा के अल्पसंख्यक हिन्दुओ पर किए जा रहे अकल्पनीय अत्याचारों को रोकने के लिए भारत के प्रभावी हस्तक्षेप और हिन्दुओ की सुरक्षा की मांग को लेकर जिले के सकल हिन्दू समाज द्वारा निकाली गई जन आक्रोश रैली में पच्चीस हज़ार से अधिक हिन्दू महिला पुरुष शामिल हुए। आक्रोश रैली में शामिल होने को लेकर लोगो में जबरदस्त उत्साह था। अनेक व्यवसाइयों ने अपने व्यवसाय बंद रख कर रैली में शिरकत की। साधु संतो के नेतृत्व में निकाली गई इस रैली में आम लोगो के साथ साथ बड़ी संख्या में डॉक्टर,अभिभाषक और गणमान्य लोग भी बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली में केबिनेट मंत्री चैतन्य कश्यप समेत कई विधायक और अन्य जन प्रतिनिधि भी शामिल थे।

बांग्ला देश में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा वंहा के अल्पसंख्यक हिन्दू समाज पर अकल्पनीय अत्याचार किए जा रहे है। मंदिरो पर हमले कर मूर्तियों को तोडा जा रहा है तो महिलाओ को बलात्कार का शिकार बनाया जा रहा है। इस्कॉन के संत को बेवजह देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेशी हिन्दुओ के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने और हिन्दुओ पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए भारत सरकार द्वारा प्रभावी कार्यवाही करने की मांग को लेकर प्रदेश भर में हिन्दुओ की आक्रोश रैलियो का आयोजन किया गया था। इसी कड़ी में मंगलवार को कलिका माता मंदिर परिसर से रैली निकाली गई। रैली में शामिल होने के लिए जिले के जावरा,अलॉट,सैलाना इत्यादि सभी स्थानों से बड़ी संख्या में हिन्दू पुरुष रतलाम पंहुचे थे। शहर के लोगो में भी रैली को लेकर जबरदस्त उत्साह था। विभिन्न जाति समाजो ने रैली में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए अपने अपने समाजो में आव्हान किया था। शहर के अनेक व्यापारी संगठनों ने व्यवसाय बंद रख कर रैली में शामिल होने की योजना बनाई थी जिसकी वजह से शहर के कई बाजार भी आज बंद रहे। कालिका माता मंदिर परिसर में दोपहर एक बजे से ही लोगो का जुटना शुरू हो गया था। रैली के निर्धारित समय दो बजे तक पूरा परिसर लोगो से खचाखच था। मंदिर के सामने बनाये गए मंच पर जिले के विभिन्न स्थानों के संत महात्मा विराजित थे। करीब एक घंटे तक साधु संतो ने उपस्थित नागरिको को सम्बोधित किया और विश्व की चुनोतियो से निपटने के लिए सारे हिन्दू समाज को संगठित करने का किया। संतो ने बांग्लादेशी हिन्दुओ की रक्षा के लिए सरकार से कड़े और प्रभावी कदम उठाने की मांग की। दोपहर करीब सवा तीन बजे रैली प्रारम्भ हुई। रैली में सबसे आगे संत समुदाय चल रहा था। संत समुदाय के पीछे मातृशक्ति चल रही थी और उनके पीछे वरिष्ठ नागरिक चल रहे थे। इनके पीछे हज़ारो युवाओ की टोलिया हाथो में बैनर और नारे लिखी तख्तियां लेकर चल रहे थे। पोस्टर और बैनरो पर बांग्लादेशी हिन्दुओ को सुरक्षा देने के नारे लिखे हुए थे। रैली में शामिल युवाओ की टोलिया जय श्री राम और हिन्दुओ की एकता के नारे लगा रहे थे। कालिका माता परिसर से शुरू हुई रैली कान्वेंट तिराहे से होकर गीता मंदिर रोड और फव्वारा चौराहे से होती हुई कलेक्टोरेट पहुंची,जंहा राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन कलेक्टर राजेश बाथम को सौपा गया। ज्ञापन देने से पहले जमकर नारेबाजी की गई और ज्ञापन का वाचन किया गया।

इन्होने किया सम्बोधित–उपस्थित जन सैलाब को आक्रोश रैली के संयोजक राजेश कटारिया ने संबोधित करते हुए कहा कि बांग्लादेश में छात्र आंदोलन को षडयंत्र पूर्वक हिंसात्मक रूप दिया गया तथा हिंदुओं पर अत्याचार का सुनियोजित रूप दिया । वहां के सर्व हिंदू समाज के साथ पूरा भारतीय समाज खड़ा है। सी ए सोनाली दीदी जैन ने कहां कि बांग्लादेश में पिछले कुछ माह से लगातार ही हिंसात्मक घटनाएं हो रही है । मानवताओं को द्रवित करने वाली यह घटनाएं रोकने हेतु वहां के अल्पसंख्यक समाज के साथ पूरा भारतीय समाज उपस्थित है।संस्कार ऋषि पं. दिनेश जी व्यास निलकंठधाम घटवास ने कहा कि भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुंबकम की संस्कृति है। पूरे विश्व के लोग हमारे भाई-बहन हैं परंतु कुछ लोग मानवता को नष्ट करने का दुष्विचार लेकर निरीह लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं। इसके लिए हम सभी को संकल्प लेना होगा कि सभी को संगठित रहना है एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। पूर्व सैनिक और जनजाति सुरक्षा मंच के मध्य क्षेत्र के संरक्षक कैलाश निनामा ने कहा कि संगठन में शक्ति है बांग्लादेश में हो रहे अल्पसंख्यकों के खिलाफ षड्यंत्र को रोकने के लिए हम सभी को एक होना है तभी सुरक्षित रहेंगे ।भारत एक सामर्थशाली देश है। शीघ्र ही बांग्लादेश के सनातनी बांधुओं पर हो रही हिंसा पर रोक लगेगी।

प्रशासन के व्यापक इंतजाम–रैली में लोगो के बड़ी संख्या में आने के चलते प्रशासन ने भी व्यापक इंतजाम किये थे। शहर के बाहर से आने वाले बड़े वाहनों के लिए अलग अलग स्थानों पर पार्किंग व्यवस्था की गई थी। शहर से आने वाले लोगो के वाहनों को भी कालिका माता परिसर से काफी दूर रोक दिया गया था। पुरे रैली मार्ग के यातायात को भी रोक दिया गया था। रैली की व्यवस्था में कोई समस्या न हो इसलिए कान्वेंट स्कुल की छुट्टी भी निर्धारित समय से पहले ही कर दी गई थी।

शिवना किनारे 200 मीटर की परिधि के विद्युत कनेक्शन किये विच्छेद

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने जिले में श्री पुशपतिनाथ मंदिर पुलिया बांध से रामघाट तक तथा रामघाट बांध से कंथार बांध तक शिवना नदी के दोनों किनारों तथा बुगलिया नाला एवं तैलिया तालाब से 200 मीटर की परिधि के कृषकों द्वारा विद्युत/डीजल मोटर पंप आदि से अन्य संसाधनों से सिंचाई जल लेने पर तत्काल प्रभाव से अन्य आदेश तक प्रतिबंध लगाया गया है।

पेयजल संकट उत्पन्न होने की आशंका को देखते हुए पेयजल आवश्यकता की पुर्ति हेतु श्री पशुपतिनाथ मंदिर घाट से राजस्थान की सीमा कंधार बांध तक से 200 मीटर की दुरी तक तथा बुगलिया नाला एवं तैलिया तालाब भराव क्षेत्र को जल अभावग्रस्त घोषित क?या जाता है। पेयजल व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं नगरपालिका को आदेशित किया गया कि नगर मे जल प्रदाय योजना का मुख्य स्त्रोत शिवना नदी है। इसलिए श्री पुशपतिनाथ मंदिर पुलिया बांध से कंथार बांध तक शिवना नदी के दोनों किनारों एवं बुगलिया नाला एवं तेलिया तालाब से 200 मीटर की परिधि के कृषकों के विद्युत कनेक्शन तत्काल प्रभाब से विच्छेद किया जाता है।

पल्स पोलियो अभियान की जन चेतना रैली 6 को होगी

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय पल्स पोलियों अभियान की जन चेतना रैली 6 दिसम्बर को निकाली जाएगी। रैली स्वास्थ्य विभाग एवं रोटरी क्लब के सौजन्य से जन चेतना रैली प्रात: 9.30 बजे से जिला चिकित्सालय परिसर से किया गया है। रैली जिला चिकित्सालय से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई पून: जिला चिकित्सालय परिसर पर समाप्त होगी।

राजस्व महाअभियान 3.0 से संबंधित रात्रिकालीन शिविर ग्राम स्तर पर आयोजित किये जाएं-कलेक्टर

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग ने आदेशित किया है कि, सभी राजस्व अधिकारी, कर्मचारी राजस्व महाअभियान 3.0 से संबंधित रात्रिकालिन शिविर ग्राम स्तर पर आयोजित करें। वर्तमान में रबी फसलों का मौसम चल रहा है एवं कृषक वर्ग/हितग्राही इस समय कृषि कार्यों में संलग्न है। जिस कारण से शासन की महत्वपूर्ण योजना राजस्व महा-अभियान (3.0) में सक्रिय रूप से भाग नहीं ले पा रहे हैं। क्योंकि यह सर्वविदित है कि कृषि कार्य सामान्यत: दिन के समय किया जाता है, अत: कृषक/हितग्राहियों को दिसम्बर माह के बाद पीएम किसान, सीएम किसान सम्मान निधि योजना eKYC,NPCI, LR Linking के पश्चात ही कृषकों को सम्मान निधि लाभ प्राप्त होगा।

अत: अनिवार्य है कि कृषक/हितग्राहियों (eKYC, NPCI, LR Linking) की कार्यवाही पूर्ण की जावे एवं शेष पीएम किसान, सीएम किसान सम्मान निधि योजना संबंधी लंबित कार्य एवं CM Helpline का निराकरण ग्राम पंचायत स्तरिय रात्रिकालिन शिविर में किया जाए। शासन की योजना का शतप्रतिशत लाभ पहुंचाने हेतु सुविधा की दृष्टि से राजस्व महाअभियान (3.0) से संबंधित रात्रिकालिन शिविर/चौपाल/इत्यादि ग्राम स्तर पर आयोजित किये जाएं। जिससे कि कृषक/हितग्राही वर्ग वास्तविक रूप से लाभान्वित हो सके।

जन आक्रोश रैली को कर सलाहकार संघ का भी समर्थन

मंदसौर, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में सर्व हिन्दू समाज आज 4 दिसम्बर को एक जन आक्रोश रैली निकालकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन देने जा रहा है जिसमें शहर के कर सलाहकार संघ, सीए एसो., प्रोफेशनल एसो.,आदि ने भी अपना पूर्ण समर्थन देते हुए इस आंदोलन में भागीदारी करने का फैसला लिया है। कर सलाहकार संघ के अध्यक्ष मुकेश पारिख,सचिव सीए आयुष जैन ने बताया की बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में हो रहे इस आंदोलन में हम सर्व समाज के साथ पूरी ताकत के साथ भाग लेंगे साथ ही सभी समाज के सभी बंधुओं से अपील करता है की इस जन आक्रोश रैली को सफल बनावे।

सट्टा अंक लिखते पकड़ा

पिपलियामंडी, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। पुलिस ने सट्टा अंक लिखते आरोपी को पकड़ा। मल्हारगढ़ पुलिस ने बस स्टेण्ड के पास सट्टा अंक लिखते हुए जीवन पिता उदयसिंह बोराना को पकड़ा। आरोपी से नकदी व सट्टा उपकरण जब्त किए।

ट्रक की टक्कर से कार सवार वकील घायल

पिपलियामंडी, 03 दिसंबर गुरु एक्सप्रेस। ट्रक की टक्कर से कार सवार घायल हो गया। पुलिस ने केस दर्ज किया। मंदसौर आरटीओ आफिस मार्ग पर निवासरत वकील निरंजनकुमार रायवाल ने पिपलिया ााने पर शिकायत दर्ज कराई कि थड़ोद फन्टे पर उनकी कार (एमपी 14 सीबी 3433) को पीछे से आ रही ट्रक (एमएच 43 बीएक्स 7540) के ड्राइवर ने टक्कर मार दी, जिससे कार क्षतिग्रस्त हो गई और मेरे कोहनी, कमर व पांव में अद्धंरुनी चोंट आई। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर कोहरा (रुदोली, यूपी) निवासी अब्दुल रहमान पिता अहमद हुसेन के खिलाफ केस दर्ज किया।

केंद्र सरकार ने विंडफॉल टैक्स हटाया, सस्ते हो सकते हैं पेट्रोल-डीजल

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर। खबर पेट्रोल डीजल की कीमत को लेकर है। आने वाले दिनों में पेट्रोल डीजल सस्ते हो सकते हैं। दरअसल केंद्र सरकार ने कच्चे तेल से विंडफॉल टैक्स हटा दिया है। अब कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स नहीं लगेगा।

इससे संभावना व्यक्त की जा रही है कि पेट्रोल डीजल सस्ते होंगे। वैसे एक संभावना यह भी है कि इस कदम से तेल कंपनियों रिलायंस और ओएनजीसी को तो राहत मिलेगी और उनके ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन में बढ़ोतरी हो सकती है लेकिन पेट्रोल डीजल की कीमतें कम नहीं होंगी। वैसे हर राज्य में पेट्रोल डीजल की कीमत अलग-अलग होती है। वैसे देशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में रोजाना उतार-चढ़ाव होता रहता है। इसी के तहत कुछ जगहों पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी आती है तो कुछ जगहों पर बढ़ोतरी होती है। इसी कड़ी में सरकारी तेल कंपनियां रोजाना सुबह 6 बजे कीमतें अपडेट करती हैं।

सार्वजनिक स्थान पर...

पेज 1 से जारी

अम्बालाल पिता लालू को पकड़ा। इसी तरह पिपलिया पुलिस ने 16 क्वार्टर अवैध शराब के साथ गोगरपुरा निवासी ओमप्रकाश पिता नानूराम को पकड़ा। आरोपियों पर आबकारी एक्ट में केस दर्ज किया।

✻ नाम परिवर्तन ✻

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्रायविंग लायसेंस में मेरे पिता का नाम LAKSHAMAN है एवं आधार कार्ड में LAXMAN SIKDAR है, जो कि सही है। अतः मुझे मेरे पिता के सही नाम से जाना एवं पहचाना जावें।

✻✻✻✻✻✻ भवदीय ✻✻✻✻✻✻

SHAMAL SIKDAR S/o LAXMAN SIKDAR

पता-गांधी सागर, तह. भानपुरा, मंदसौर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में...

त्रिपुरा के कई होटल मालिकों ने बांग्लादेशी लोगों को लेकर लिया फैसला

त्रिपुरा, 03 दिसंबर। बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद हिंदुओं पर अत्याचार की लगातार घटनाएं सामने आ रही है। हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर त्रिपुरा के कई होटल मालिकों ने बांग्लादेशी लोगों को होटल नहीं देने का फैसला लिया है। ऑल त्रिपुरा होटल एंड रेस्टोरेंट ओनर्स एसोसिएशन ने कहा कि बांग्लादेश में कथित तौर पर भारतीय ध्वज का अपमान किए जाने के मामले को देखते हुए एसोसिएशन ने फैसला लिया है कि बांग्लादेश के लोगों के लिए उनके होटल उपलब्ध नहीं होंगे। एसोसिएशन के महासचिव सैकत बंद्योपाध्याय ने कहा कि यह फैसला आपातकालीन बैठक में लिया गया है। हम एक धर्मनिरपेक्ष देश और सभी धर्मों का सम्मान करते हैं।

पहले भी होते थे ऐसे मामले–सैकत बंद्योपाध्याय ने आगे कहा कि हमारे राष्ट्रीय ध्वज का अपमान किया गया और अल्पसंख्यकों को बांग्लादेश में उत्पीड़न का सामना भी करना पड़ रहा है। ऐसे मामले पहले भी होते थे, लेकिन अब इसने सारी सीमाएं पार कर दी है।

कोलकाता का अस्पताल ले चुका है यह फैसला–बता दें कि इससे पहले कोलकाता के एक अस्पताल ने बांग्लादेश के लोगों का इलाज नहीं करने का फैसला लिया था। अस्पताल ने अपने बयान में कहा था कि वो अब बांग्लादेशी मरीजों का इलाज नहीं करेंगे। ऐसा बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कथित अत्याचारों के विरोध का हवाला देते हुए किया गया है। इसको लेकर अस्पताल ने अपना बयान भी जारी किया था। अस्पताल के अधिकारी सुभ्रांशु भक्त ने बताया था कि हमने एक अधिसूचना जारी की है कि अनिश्चित काल तक किसी भी बांग्लादेशी मरीज को उपचार के लिए भर्ती नहीं करेंगे। यह मुख्य रूप से भारत के प्रति उनके अपमान के कारण है। इसके अलावा उन्होंने शहर के अन्य अस्पतालों से भी बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे कथित अत्याचार के विरोध में ऐसा करने का आग्रह किया है। तिरंगे का अपमान होते देख हमने यह फैसला लिया है। उनकी आजादी में भारत ने अहम भूमिका निभाई है, लेकिन इसके बाद भी हम भारत विरोधी भावनाएं देख रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अन्य अस्पताल भी हमारा समर्थन करेंगे और इसी तरह के कदम उठाएंगे।

✻ पूजारी चाहिए ✻

श्री हरिहर धाम

वेदांत विहार, लक्ष्मी नगर, अभिनंदन रोड, मंदसौर

मंदिर में विराजित दिव्य प्रतिमाओं के पूजन और आरती के लिए पूजारी की आवश्यकता है।

✻✻ संपर्क समय ✻✻

दोपहर 2 बजे से शाम 06 बजे तक

मो. 9424033322, 9425105927, 9340060227

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग मंदसौर (म.प्र.)

E-mail-eepwdmandsaur0@gmail.com Ph-07422-255211

निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 10/2024-25/एसएसी/ मंदसौर दिनांक 28.11.2024

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखीत कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रं.	टेण्डर रिफरेन्स क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	ठेके की अनु. राशि (रू. लाख में
1	2	3	4	5	6	7
1	2024_PWDRB _384752	मंदसौर	MOW	महू नीमच रोड मंदसौर में शासकीय आवासीय एफ-1 टाईप बंगले का एम.ओ.डब्ल्यू. का कार्य।	First	रु.84.21
				Total		रु.84.21

उपरोक्त वेबसाईट पर ऑनलाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (mptenders.gov.in) वेबसाईट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगी। निविदा प्रपत्र क्रय करने एवं प्रस्तुत करने की अंतिम दिनांक 13.12.2024 सायं 17:30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एनआईटी एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईट में देखी जा सकती है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर ही किया जाएगा। पृथक से समाचार-पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जाएगा।

(EMD only RTGS/NEFT)

G-19774/24

जीवन है अनमोल, तो क्यों करे यातायात नियमों से खेल।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग संभाग, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in